



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 139]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 30, 2004/आषाढ़ 9, 1926

No. 139]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 30, 2004/ASADHA 9, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

नई पोतवणिक समीक्षा अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 2004

अन्तिम जांच परिणाम

विषय : मैसर्स नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कम्पनी लि., चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मै. प्रेस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यू. ए. ई. (निर्यातक) के अनुरोध पर विट्रिफाइड/पोर्सिलेन टाइलों के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की नई पोतवणिक समीक्षा।

सं. 15/2/2003-डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 23 मई, 2003 की अधिसूचना द्वारा उपर्युक्त नियमावली के नियम 22 के तहत निर्धारित और मैसर्स नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कंपनी लि०, चीन जनवादी गणराज्य द्वारा उत्पादित और मैसर्स प्रेस्टिज जनरल, यूएई द्वारा निर्यातित विट्रिफाइड पोर्सिलेन टाइलों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की नई पोतवणिक समीक्षा आरंभ की।

(ii) नई पोतवणिक समीक्षा चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों जो सीमा-शुल्क अधिनियम 1975 के अध्याय 69 के तहत आती हैं, के आयात के मामले में दिनांक 23 मई, 2003 की अधिसूचना संख्या 15/2/2003-डीजीएडी द्वारा आरंभ की गई जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 4 फरवरी, 2003 के भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-1 खण्ड 1 में प्रकाशित अन्तिम जांच परिणाम संख्या 37/1/2001 द्वारा यह निष्कर्ष पाया कि:-

(क) जांच-अवधि के दौरान यूएई तथा चीन जन.गण. से विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों की निर्यात कीमत सामान्य मूल्य से कम रही;

(ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है,

(ग) संबद्ध देशों से आयातों द्वारा संचयी रूप से क्षति हुई है,

(iii) केन्द्रीय सरकार ने सीमा-शुल्क अधिनियम के अध्याय 69 के तहत आने वाले विट्रिफाइड तथा पोर्सलेन टाइलों जिनमें विट्रिफाइड औद्योगिक टाइलें शामिल नहीं हैं, पर मूल जांच में अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख अर्थात् 2 मई, 2002 से अधिसूचना सं० 73/2003-सीमाशुल्क, दिनांक 1 मई, 2003 द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाया ।

(iv) जैसाकि ऊपर कहा गया है, मैसर्स नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कं० लि०, चीन जन.गण.(उत्पादक) और मै० प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यूएई(निर्यातक) ने भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 1 खण्ड 1 में प्रकाशित अन्तिम जांच परिणाम अधिसूचना सं० 37/1/2001-डीजीएडी दिनांक 4 फरवरी, 2003 के संबंध में किए जा रहे निर्यातों के बारे में सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 22 के अनुसार समीक्षा करने हेतु अनुरोध किया था, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 23 मई, 2003 को पुनरीक्षा प्रारंभ की और मै० मैसर्स नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कं० लि०, चीन जन.गण.(उत्पादक) ने मै० प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यूएई(निर्यातक) की मार्फत सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की राजपत्र अनुसूची के अध्याय 69 के तहत आने वाली विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों के सभी निर्यातों के अनन्तिम आंकलन की सिफारिश की और इस समीक्षा के पूरा होने तक कालम सं० 3 में उल्लिखित निश्चयात्मक शुल्क निर्धारित किया गया ।

(v) वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना सं० 98/2003-सीमा शुल्क, दिनांक 1 जुलाई, 2003 में अन्य बातों के साथ-साथ यह प्रावधान है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई समीक्षा का निष्कर्ष आने तक मैसर्स नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन

कं० लि०, चीन जन.गण.द्वारा उत्पादित और मै० प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यूएई द्वारा निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 69 के तहत आने वाली विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलें जिनमें विट्रिफाइड औद्योगिक टाइलें शामिल नहीं हैं, इस समीक्षा के पूरा होने तक अनन्तिम आंकलन के अध्यक्षीन रहेंगी ।

(vi) इसके अतिरिक्त, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम(पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 22 के उप-नियम(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के उपर्युक्त जांच परिणामों और उनकी दिनांक 1 मई, 2003 की अधिसूचना सं० 73/2003-सीमाशुल्क पर विचार करने के पश्चात् यह निर्णय किया कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त समीक्षा के निष्कर्ष दिए जाने तक मैसर्स नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कं० लि०, चीन जन.गण.द्वारा उत्पादित और मै० प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यूएई द्वारा निर्यातित विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों के निर्यातों पर कोई भी पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाएगा जब उनका भारत में आयात हो । इसमें आगे यह भी प्रावधान है कि मैसर्स नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कं० लि०, चीन जन.गण.द्वारा उत्पादित और मै० प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यूएई द्वारा निर्यातित विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों का जब भारत में आयात होने तक वह अनन्तिम आंकलन के अध्यक्षीन रहेंगी और अधिसूचना सं० 73/2003-सीमाशुल्क, दिनांक 1 मई, 2003 द्वारा विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों के आयातों पर कालेंम सं० 3 में यथाउल्लिखित दर पर गणना किए गए शुल्क की राशि की गारंटी होगी ।

(vii) प्राधिकारी को चीन के उत्पादक मैसर्स नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कं० लि०, चीन जन.गण. से दिनांक 4 फरवरी, 2003 की अधिसूचना सं० 37/1/2001 की नई पोटवणिक समीक्षा आरंभ करने हेतु एक अनुरोध प्राप्त हुआ । इस कंपनी ने यह स्पष्ट किया कि वे संबंधित उत्पाद के संबंध में लागू पाटनरोधी शुल्कों के अध्यक्षीन चीन जन.गण. में किसी भी निर्यातक/उत्पादक से संबंधित नहीं हैं । इसके अलावा, उन्होंने यह घोषणा की कि उन्होंने जांच की मूल अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद का कोई निर्यात नहीं किया है । प्राधिकारी ने चीन के संबंधित उत्पादक द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य की प्रत्यक्ष जांच की और इस औचित्य के लिए पर्याप्त समझा कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के प्रावधानों के अनुसार समीक्षा आरंभ की जाए ।

(viii) मौजूदा समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद वही कवर किया गया जो मूल जांच में रहा है अर्थात् 'विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइल्स'।

(ix) प्राधिकारी ने निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। निर्यातक ने प्रश्नावली को भरा है। प्राधिकारी ने पाटन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गई संपूर्ण जानकारी मांगी और उसका सत्यापन किया। प्राधिकारी ने मैसर्स नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कं० लि०, चीन जन.गण (उत्पादक), मै० प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यूएई (निर्यातक) और मै० निटको टाइल्स लिमिटेड (आयातक) द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन किया।

(x) पाटन के निर्धारण के लिए इस नई पोटवणिक जांच में जांच-अवधि 12 महीनों अर्थात् 1 जुलाई, 2002 से 30 जून, 2003 तक की है क्योंकि क्षति-विश्लेषण पाटनरोधी नियमावली के अनुसार अपेक्षित नहीं है।

(xi). प्राधिकारी ने निर्यातक देशों के प्राधिकारियों को नई पोटवणिक समीक्षा प्रारंभ करने की अधिकारिक तौर पर सूचना दी और सभी संबंधित इच्छुक पक्षकारों को इस बात का अवसर दिया कि वे अपने ज्ञात विचारों को जांच-अवधि अर्थात् 1 जुलाई, 2002 से 30 जून, 2003 तक की समाप्ति से 40 दिनों के भीतर प्रस्तुत कर दें। तत्पश्चात् प्राधिकारी ने दिनांक 17 फरवरी, 2004 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में सभी इच्छुक पक्षकारों को अपने-अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान किया। मौखिक रूप से अपने-अपने विचार प्रस्तुत करने वाले सभी इच्छुक पक्षकारों से अनुरोध किया गया कि वे इस प्रकार व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत कर दें।

(xii) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार निरीक्षण के लिए अनुरोध पर विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सभी साक्ष्यों की अगोपनीय भाग वाली सार्वजनिक फाइल को उपलब्ध कराया।

(xiii). उपर्युक्त पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए समझे गए आवश्यक तथ्यों/आधार का इस जांच में प्रत्युत्तर देने वाले सभी इच्छुक पक्षकारों को दिनांक 28.5.2004 को खुलासा किया गया और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में यथा-स्थान पर विधिवत् विचार किया गया।

- (xiv) अधिसूचना में ***** प्रस्तुत जानकारी इच्छुक पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी दी गई है और इस पर प्राधिकारी द्वारा इस नियमावली के तहत विचार किया गया।

ख. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

2. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद का विवरण विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइल्स के रूप में जारी रखने का निर्णय लिया जैसाकि मूल मामले में निर्धारित किया गया था। किसी भी इच्छुक पक्षकार द्वारा विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में कोई भी तर्क नहीं दिया गया। प्राधिकारी नोट करता है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइल्स उसी विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइल्स की समान वस्तु है जिसका इस नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयात किया जा रहा है। उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी यह निर्णय देता है कि मौजूदा जांच में विचारार्थ उत्पाद वही है जिस पर मूल जांच में विचार किया गया था अर्थात् "विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइल्स" जो सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 69 के तहत वर्गीकरण योग्य है।

ग. जांच प्रारंभ करते समय/उसके पश्चात् व्यक्त किए गए मुद्दे तथा उनकी जांच

ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

3. घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे सारांश में नीचे दिए गए हैं :

i) निर्यातक तथा उत्पादक द्वारा दर्ज किया गया प्रत्युत्तर त्रुटिपूर्ण है, इसलिए कार्रवाई खारिज की जाती है।

ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्यातक मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यूएई से पहली बार दिनांक 27.1.2004 को जानकारी प्राप्त हुई और तत्पश्चात् उसमें दिनांक 11.2.2004 को संशोधन किया गया। इस निर्यातक ने प्राधिकारी से उपर्युक्त तारीख से पहले प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः अनुरोध नहीं किया है। उक्त निर्यातक द्वारा दर्ज जानकारी को जांच के इस अंतिम चरण में सुनवाई में शामिल नहीं किया जा सकता है जबकि उन्होंने समीक्षा के लिए आवेदन-पत्र दायर भी नहीं किया है।

2005 GI/2004-2

iii) प्रैस्टिज नई पोतवणिक समीक्षा के लिए आवेदन हेतु भी सामने नहीं आया । इससे संपूर्ण जांच प्रारंभ गलत हो गई और यह कानून में भी गलत है ।

iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रैस्टिज को एक नया तथा स्वतंत्र निर्यातक मानने में और उन्हें छूट देने में गलती की है जबकि उन्होंने उक्त निर्यातक से अथवा उसके बारे में कोई आवेदन अथवा जानकारी प्रस्तुत कर भी दी थी ।

v) प्रैस्टिज द्वारा दायर प्रत्युत्तर पूर्ण रूप से त्रुटिपूर्ण है और उनकी गहराई से जांच किए जाने की आवश्यकता है । प्रैस्टिज के प्रत्युत्तरों की जांच से निम्नलिखित विदित होता है :-

क) उपर्युक्त दस्तावेजों में कोई तारीख नहीं दी गई है ।

ख) किसी भी दस्तावेज पर एकमात्र प्रोपराईटर के हस्ताक्षर नहीं हैं ।

ग) प्रोपराईटर का नाम गोपनीय रखा गया है ।

घ) वाणिज्यिक लाइसेंस धारक की प्रतिलिपि में अंगोपनीय अंश प्रस्तुत नहीं किया गया ।

ङ.) प्रैस्टिज ने अपने तुलन-पत्र, लाभ तथा हानि संबंधी खाता अथवा व्यापार खाता नहीं भेजा है जैसाकि निर्धारित प्रश्नावली में अपेक्षित था ।

च) अग्रेषण-पत्र, प्राधिकरण-पत्र तथा सत्यापन पत्र में निवेशक श्री आशीष साह के हस्ताक्षर हैं । प्रोपराईटर द्वारा कोई भी प्राधिकरण पत्र नहीं दिया गया है ।

छ) प्रत्येक दस्तावेज में उल्लेख है कि उसे निवेशक द्वारा जारी किया गया है । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस आखिरी चरण में इन दस्तावेजों को रिकार्ड में शामिल किया है लेकिन उनकी प्रत्यक्ष वैधता की जांच नहीं की गई है ।

ज) निर्यातक का मौजूदा पत्र-शीर्ष खरीद संविदा वाले पत्र में हस्ताक्षर के लिए प्रयुक्त पत्र से पूर्णतया भिन्न है जिसमें प्रैस्टिज का लोगो लगा हुआ है । खरीद आदेश के लिए प्रयुक्त पत्र-शीर्ष और निर्यातक प्रश्नावली भेजने के लिए प्रयुक्त पत्र-शीर्ष में अलग-अलग पोस्ट बॉक्स तथा टेलीफोन नं० इंगित किए गए हैं ।

झ) अंतिम परिणाम यह है कि प्रैस्टिज को बिना अनुरोध किए गए अथवा उसके प्रत्यय पत्रों की पहचान किए बिना पाटनरोधी शुल्कों के भुगतान से छूट दी गई । वास्तव में, पाटनरोधी शुल्कों के छूट नहीं दिए जाने तक प्रैस्टिज ने न तो कोई आवेदन किया और न ही उन्होंने अपनी ओर से छूट मांगने के लिए किसी व्यक्ति को प्राधिकृत ही किया । नन्हाई के प्राधिकृत प्रतिनिधि ने भी सीमाशुल्क अधिसूचना जारी होने तक कोई दावा नहीं किया कि वे प्रैस्टिज का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं । फिर भी, केन्द्रीय सरकार ने निर्दिष्ट प्राधिकारी की सिफारिशों पर प्रैस्टिज को पाटनरोधी शुल्कों के क्षेत्राधिकार से मुक्त रखा ।

vi) मै0 प्रैस्टिज, यूएई ने घोषणा की है कि उन्होंने किसी बैंक अथवा अन्य संस्थान से कोई ऋण नहीं लिया है। किन्तु सभी दस्तावेजों पर निवेशक के हस्ताक्षर वाली मुहर के साथ प्रबंधक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं।

vii) प्रैस्टिज के पत्र-शीर्ष पर दिखाई दे रहे पोस्ट बॉक्स नं0/दूरभाष सं0 तथा फैंक्स नं0 दूसरी कंपनियों के पोस्ट बॉक्स सं0/दूरभाष सं0 इंगित हैं। अतः इससे यह घोषणा होती है कि उनका किसी अन्य देश जिसमें भारत भी शामिल है, में किसी कंपनी से संबंध भ्रामक है।

viii) प्रैस्टिज द्वारा कोई आवेदन/घोषणा दर्ज नहीं होने से यह सिद्ध होता है कि नई पोतवणिक समीक्षा आरंभ करना गलत है क्योंकि यह नियम 22 में विहित अपेक्षा के विपरीत है।

ix) इस मामले के तथ्यों में नियम 22 के लिए नन्हाई(उत्पादक) और प्रैस्टिज(निर्यातक) में संबंध बताया गया है और इसीलिए उत्पादक तथा निर्यातक दोनों को आवश्यक आवेदन तथा घोषणाओं में इंगित किया गया जो निर्धारित प्रक्रिया का अनुसरण करे और सभी अपेक्षित जानकारी प्रदान करे। चूंकि ऐसा जांच आरंभ करने से पहले नहीं किया गया है अतः यह शर्त उचित नहीं पाई गई।

x) मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, यूएई ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को गलत तथा भ्रामक घोषणा प्रस्तुत की है कि वे किसी विनिर्माण कार्यकलाप में शामिल नहीं हैं। मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, यूईई वर्ष 1992 में विनिर्माण कार्यकलापों में शामिल रही है और वह यूएई में अंडरगार्मेट्स का एक प्रमुख विनिर्माता रही है और यह इनका विभिन्न देशों को निर्यात भी करती रही है।

xi) निर्दिष्ट प्राधिकारी अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण तभी कर सकेगा यदि निर्यातक आवेदन/घोषणाएं कर ले, निर्धारित क्रियाविधि का अनुसरण करे और सभी अपेक्षित जानकारी प्रदान करे। इसी प्रकार, उत्पादक-निर्यातक के संबंध के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी अलग-अलग पाटन-मार्जिन का निर्धारण उस स्थिति में कर सकेगा यदि उत्पादक तथा निर्यातक, दोनों ही आवश्यक आवेदन/घोषणाएं कर ले, निर्धारित प्रक्रिया का अनुसरण करे और अपेक्षित जानकारी निर्धारित प्रपत्र के अनुसार ठीक से प्रदान करे।

xii) प्रत्युत्तर में कंपनी के प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर नहीं हैं। निर्धारित प्रपत्र के संबंध में प्रत्युत्तर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अथवा कंपनी के निदेशक अथवा प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर तथा उसके द्वारा प्रमाणित होना चाहिए। इन अपेक्षाओं को विशेष रूप से इस तथ्य को देखते हुए अवश्य पूरा किया जाना चाहिए कि उत्पादक तथा निर्यातक दोनों ही नियमावली के तहत अपेक्षित पूर्ण तथा संपूर्ण जानकारी 15 दिन के भीतर प्रदान कर ले।

xiii) निर्दिष्ट प्राधिकारी को स्वयं इस बात से संतुष्ट होना और निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य की जांच करनी होती है कि उनका निर्यातक देश के उन निर्यातकों अथवा उत्पादकों से कोई संबंध नहीं है जिनपर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया हो। निवेदन है कि यह जांच और अधिक सावधानी से की गई होती बशर्ते कि उत्पादक एक देश होता और निर्यातक दूसरा देश और किसी अधिसूचना के तहत निर्धारित पाटन-मार्जिन प्रत्येक देश के लिए अलग-अलग होता। यह जांच ऐसी स्थिति में कठिन होती है जब किसी अधिसूचना के तहत निर्धारित पाटन मार्जिन अलग-अलग देश के लिए अलग-अलग होता है क्योंकि आवेदन के समय निर्दिष्ट प्राधिकारी यह पता नहीं लगा सकेगा कि पाटनरोधी मार्जिन कितना लगाया जाए अर्थात् मूल रूप से लगाया गया मार्जिन का कितना भाग अलग-अलग उत्पादक अथवा निर्यातक के लिए रोक लिया जाए।

xiv) मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कं0 लि0, चीन जन.गण. द्वारा प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे संक्षेप में निम्नानुसार हैं :-

क) संशोधित प्रत्युत्तर के साथ कोई सत्यापन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। प्रत्युत्तर पर कंपनी के प्राधिकृत प्रतिनिधि का कोई हस्ताक्षर नहीं है।

ख) जांच-अवधि के लिए महीने-वार कुल बिक्री मात्रा तथा निवल बिक्री राजस्व।

ग) निवेश संबंधी ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जैसाकि निर्धारित प्रपत्र के प्रश्न सं0 डी-1 के प्रत्युत्तर में अपेक्षित था।

घ) कंपनी ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपनाई गई लागत निर्धारण प्रणाली के संबंध में अवगत नहीं कराया है।

ड.) उत्पादन प्रक्रिया संबंधी जानकारी निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदान नहीं की गई है।

च) माल की खरीद के लिए संबंध तथा प्रबंध के संबंध में कोई जानकारी प्रदान नहीं की गई है।

छ) परिशिष्ट क अथवा 8क, ख तथा ग में किसी ब्याज अथवा वित्तीय लागत को इंगित नहीं किया गया है।

ज) प्रश्न सं० छ.1(ट) के प्रत्युत्तर में आबंटन के आधार के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को कोई जानकारी नहीं दी गई है।

झ) क्षमता, प्रारंभिक स्टॉक तथा अन्तिम स्टॉक के संबंध में कोई जानकारी प्रदान नहीं की गई है।

ट) कंपनी ने जांच-अवधि के लिए तुलन-पत्र तथा अन्य वित्तीय विवरण प्रदान नहीं करते हुए अपना दायित्व पूरा नहीं किया है।

ठ) पूंजी निवेश संबंधी ब्यौरे प्रदान नहीं किए गए हैं जैसाकि प्र. सं. डी-1 के प्रत्युत्तर में उसमें निर्धारित प्रपत्र में अपेक्षित था। वास्तव में नन्हाई ने स्वयं स्वीकार किया है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए अलग से आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। पृष्ठ 31 पर प्रस्तुत परिशिष्ट-7 की ओर कृपापूर्ण ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें नन्हाई एक स्पष्ट वक्तव्य देता है कि "यह कम्पनी विचाराधीन उत्पाद - पोर्सलेन टाइलों के संबंध में अलग रिकार्ड रखता है। अतः व्यय का आबंटन लागू नहीं होता है।" ये दोनों स्थितियां पूर्णतया एक-दूसरे के विपरीत हैं और ऐसा माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को भ्रमित करने के लिए किया गया प्रतीत होता है।

ड) प्रश्न सं० ई-9 के प्रत्युत्तर में पूंजी निवेश संबंधी कोई भी जानकारी प्रदान नहीं की गई है। निवेदन है कि कम्पनी का यह दायित्व है कि वह निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपनाई जा रही सभी लागत निर्धारण प्रणालियों के बारे में अवगत कराए। जाहिर है कि कम्पनी ने मानक/बजट लागतों, प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष केन्द्रों, प्रत्येक केन्द्र पर किए

गए कार्यकलाप, विभिन्न लागत केन्द्रों के बीच लागतों के आबंटन हेतु प्रयुक्त पद्धति और गौण उत्पादों की लेखा-प्रणाली, रद्दी, स्क्रेप, क्षतिग्रस्त अथवा घटिया माल, आदि से संबंधित अत्यधिक संगत जानकारी को जानबूझकर रोक लिया है। यह आश्चर्यजनक है कि कम्पनी पाटन मार्जिन का अलग से दावा कैसे कर सकती है जबकि उनके पास विचाराधीन उत्पाद की सही-सही लागत दर्शाने की कोई प्रणाली विद्यमान नहीं है। यह भी स्पष्ट है कि कम्पनी द्वारा बताई गई लागतें चीन के जीएएपी के अनुसार नहीं है हालांकि उन्होंने बिना सबूत के दावा कर दिया है।

xv) नन्हाई के प्रत्युत्तर के परिशिष्ट 2 में बताया गया है कि 77 लेन-देन हुई हैं जबकि अपने प्रत्युत्तर में प्रैस्टिज ने दावा किया है कि जांच-अवधि के दौरान 72 लेन-देन हुई हैं।

xvi) परिशिष्ट 3 स्पष्ट रूप से गोपनीय अंश में भी अपूर्ण है। अधिकांश कॉलम खाली छोड़ दिए गए हैं। महीने-वार कोई जानकारी प्रदान नहीं की गई है, जैसाकि प्रश्न सं० ख 9 में प्रत्युत्तर में वांछित था।

xvii) परिशिष्ट 5 तथा 6 खाली छोड़ दिए गए हैं। हमें शंका है कि क्या निर्दिष्ट प्राधिकारी को कोई जानकारी प्रस्तुत की गई है अथवा नहीं। माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी इसे तत्काल स्पष्ट करें।

xviii) प्रश्नावली के प्रत्युत्तर से यह स्पष्ट है कि नन्हाई दूसरे किस्म की टाइलों का भी उत्पादन करता है। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि ऊपरी खर्चों को टाइलों की अलग-अलग किस्मों तथा आकारों में इस प्रकार निर्धारित किया गया है।

xix) नन्हाई ने परिशिष्ट 8, 8क, ख तथा ग को मिला दिया है जोकि पूर्णतया गलत है। परिशिष्ट 8 जांच अवधि के लिए और उससे पिछले वर्ष के लिए होता है और जिसे पूरा नहीं किया गया है। प्रतिस्थापित क्षमता के संबंध में कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। इसके अलावा, कंपनी ने प्रपत्र को अपने हिसाब से बदल दिया है।

xx) जहां तक परिशिष्ट 8क, ख तथा ग का संबंध है, निवेदन है कि उन्हें केवल आकार अथवा 600x 600 के संबंध में प्रस्तुत किया गया है जोकि गलत तथा भ्रामक है। इसके अलावा, कंपनी ने प्रपत्र को बिना किसी कारण बताए बदल दिया है।

यह भी निवेदन है कि परिशिष्ट 8, 8क, ख तथा ग को किसी लेखाकार से प्रमाणित नहीं कराया गया है, जैसाकि निर्धारित प्रपत्र में वांछित था ।

ग-II मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन पोर्सलेन कं0 लि0, चीन
जन.गण.(उत्पादक) के विचार

i) कंपनी की स्थापना 15 दिसंबर, 2000 को हुई थी । व्यापार लाइसेंस प्रमाण-पत्र से विदित होता है कि कंपनी 15 दिसंबर, 2000 को एक लिमिटेड देयता कंपनी के रूप में स्थापित हुई । कंपनी कैलेंडर वर्ष को अपने वित्तीय वर्ष के रूप में मानती है । अब कंपनी का नाम बदलकर दिनांक 10 मई, 2004 से फोशान चानचर्ग आउलिन कंस्ट्रक्शन पोर्सलेन लि0 हो गया है । उसकी स्थापना की तारीख अर्थात् 15 दिसंबर, 2000 से विट्रिफाइड टाइलों का कोई उत्पादन अथवा बिक्री नहीं हुई है । एक मौजूदा सेरामिक लाइन को अप्रैल, 2002 में विट्रिफाइड लाइन के रूप में बदला गया । इस प्रकार दिसंबर, 2001 तक कंपनी ने विट्रिफाइड टाइलों का उत्पादन नहीं किया और इसलिए यह सिद्ध होता है कि मूल जांच अवधि अर्थात् 1 अप्रैल, 2000 से 31 मार्च, 2001 तक भारत को विट्रिफाइड टाइलों का निर्यात नहीं किया गया । अप्रैल, 2002 से कंपनी ने विट्रिफाइड टाइलों का उत्पादन आरंभ किया जिसमें उसी मौजूदा उत्पादन सुविधा की असंबली लाइन का प्रयोग किया गया ।

ii) मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलियान कंस्ट्रक्शन पोर्सलेन कं0 लि0 एक लि0 देयता कंपनी है । इस कंपनी के शेयरधारकों का संबंध चीन अथवा किसी अन्य देश में संबद्ध उत्पाद के उत्पादन तथा बिक्री में लगी किसी अन्य कंपनी से नहीं है ।

iii) विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों के लिए कंपनी की केवल एक फैक्ट्री है और सरकार इस कंपनी को कोई निर्यात प्रोत्साहन प्रदान नहीं करती है । इस कंपनी की अन्य देशों जिनमें भारत शामिल है, में कोई सहायक कंपनी अथवा अन्य संबंधित कंपनी नहीं है ।

iv) कंपनी के सभी बिक्रियां प्रमुख से प्रमुख आधार पर की गई हैं और इस संबंध में कोई एजेंसी प्रबंध शामिल नहीं है । भारत को निर्यात कंपनी द्वारा मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग दुबई के साथ की गई संविदा के अनुसार किए गए हैं । घरेलू बाजार में बेचा गया माल और भारत को निर्यातित माल एकसमान है ।

ग III. मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, यूएई (निर्यातक) के विचार

i) मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, यूएई, जनरल ट्रेडिंग एक पंजीकृत कंपनी है जिसके पास आर्थिक विकास विभाग, संयुक्त अरब अमीरात द्वारा जारी वाणिज्यिक लाइसेंस है। इसका मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलियान कंस्ट्रक्शन पोर्सलेन कं0 लि0, चीन से संबंध नहीं है। मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, यूएई जनरल ट्रेडिंग ने भारतीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई प्रमुख पाटनरोधी जांच की जांच अवधि के दौरान चीन से संबंध माल का निर्यात नहीं किया है। यह कंपनी उत्पादन कार्यकलापों में नहीं लगी हुई है और यह केवल व्यापार करती है। इस कंपनी द्वारा किए जाने वाले किसी भी निर्यात पर यूएई सरकार द्वारा किसी प्रकार का प्रोत्साहन नहीं मिलता है। कंपनी की भारत सहित अन्य देशों में कोई संबंधित कंपनी नहीं है।

ii) कंपनी ने मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलियान कंस्ट्रक्शन पोर्सलेन कं0 लि0, फोशान, चीन जन.गण. के साथ एक प्रबंध किया था। इसी के साथ-साथ कंपनी ने चीन की उक्त कंपनी से खरीदे गए विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों की संपूर्ण मात्रा की बिक्री के लिए मै0 निटको टाइल्स लि0, भारत के साथ एक अनन्य बिक्री प्रबंध किया। पोतलदान सीधे ही फोशान, चीन जन.गण. से मुंबई के लिए होता है और दुबई में कोई पार-पोत लदान /अनलोडिंग/हैंडलिंग नहीं होती है।

iii) यह कंपनी भारत, यूके, सीआईएस, सिंगापुर तथा मध्य पूर्व आदि से मार्बल, ग्रेनाइट, धातुओं (लौह तथा अलौह), इलैक्ट्रानिक उत्पाद, घरेलू बर्तनों, बियरिंग, रसायन तथा भेषजों के आयात तथा निर्यात के कारोबार में लगी हुई है।

ग. IV प्राधिकारी द्वारा जांच

4. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उपबंधों को ध्यान में रखते हुए नई पोतवणिक समीक्षा प्रारंभ की, जो निम्नानुसार है:-

" नियम 22(1) यदि कोई उत्पाद पाटनरोधी शुल्कों के अध्यक्षीन है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रश्नाधीन निर्यातक देश में किसी निर्यातक अथवा उत्पादक के संबंध में अलग-अलग पाटन माजिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ एक आवधिक समीक्षा करेगा जिन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को उस उत्पाद का निर्यात नहीं किया हो, बशर्ते कि वे निर्यातक अथवा उत्पादक यह बताएं कि उनका

निर्यातक देश के उन निर्यातकों अथवा उत्पादकों से कोई संबंध नहीं है जिनपर इस उत्पाद के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाया गया हो ।

(2) केन्द्रीय सरकार समीक्षा अवधि के दौरान ऐसे निर्यातकों अथवा उत्पादकों से होने वाले आयातों पर अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) के तहत पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाएगी जैसाकि इस नियम के उपनियम (1) में यथाविहित है:

बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार अनन्तिम आंकलन का सहारा ले और आयातक से एक गारंटी प्रपत्र मांग ले बशर्ते कि निर्दिष्ट प्राधिकारी की ऐसी सिफारिश हो और बशर्ते कि ऐसे समीक्षा परिणामों से ऐसे उत्पादों अथवा निर्यातकों के संबंध में पाटन का निर्धारण हो सके, वह ऐसे मामलों में समीक्षा आरंभ होने की तारीख से शुल्क लगाएगी ।"

नियम 22 में ऐसी परिस्थितियों का स्पष्ट उल्लेख है जिसके तहत अलग-अलग पाटन मार्जिन की गणना के प्रयोजनार्थ नई पोतवणिक जांच की जा सकती है। प्रश्नाधीन निर्यातक देश के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सकता है बशर्ते कि ये दो शर्तें पूरी हो जाएं । ये हैं(क) कि निर्यातक अथवा उत्पादक ने जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया हो और (ख) कि निर्यातक अथवा उत्पादक यह बता दें कि उनका ऐसे निर्यातक देश के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक से कोई संबंध नहीं है जो संबंधित उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्कों के अध्यक्षीन हों । मौजूदा मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह दिखाई देता है कि निर्यातक अथवा उत्पादक ने जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है क्योंकि विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों का उत्पादन जांच अवधि के काफी बाद अर्थात् अप्रैल, 2002 में आरंभ हुआ था और घोषण की कि उनका निर्यातक देश के किसी ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक से कोई संबंध नहीं है जो पाटनरोधी शुल्कों के अध्यक्षीन हों । जांच अवधि के दौरान प्राधिकारी को चीन जन.गण के किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक से किसी संबंध का साक्ष्य नहीं मिला है जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन हों । अतः प्राधिकारी नोट करता है कि नई पोतवणिक समीक्षा जांच पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 में निर्धारित उपबंध के अनुसार प्रारंभ की गई जो डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 9.5 के अनुरूप है ।

2005-6] 2004-4

5. मौजूदा नई पोतवणिक समीक्षा को मै0 एच ऐंड आर जॉनसन (इंडिया) लि0 द्वारा माननीय मुम्बई उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। माननीय न्यायालय ने उपर्युक्त उठाए गए मुद्दों की विधिवत् जांच की और उनका निपटान किया। इस मामले में माननीय मुम्बई उच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि "नियम 22 के तहत आवधिक समीक्षा प्रारंभ करने संबंधी आधारिक अपेक्षाएं ये हैं : (क) संबद्ध माल अथवा उत्पाद पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन हो और (ख) अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण चाहने वाले निर्यातकों अथवा उत्पादकों ने उस उत्पाद अथवा संबद्ध माल का जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात नहीं किया हो और उन्हें यह जरूर बताना चाहिए कि उनका इस उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन निर्यातक देश के किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक से कोई संबंध नहीं है। समीक्षा चाहने वाले नया पोतवणिक आवेदन-पत्र में यह घोषणा करने के अलावा कि वह नियम 22 में निर्धारित उपर्युक्त शर्तों को पूरा करता है से यह उम्मीद नहीं है कि वह किसी ऐसे साक्ष्य को प्रस्तुत करे कि उसने जांच अवधि के दौरान इस माल का निर्यात नहीं किया अथवा यह भी कि उसका निर्यातक देश के उन निर्यातकों से कोई संबंध नहीं है जिन पर इस उत्पाद के संबंध में पाटनरोधी शुल्क लगाया गया हो। प्रत्यक्ष संतुष्टि के लिए हालांकि निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह जरूरी नहीं है कि वह नई पोतवणिक समीक्षा प्रारंभ करने से पहले विस्तृत पूछताछ कर ले, यह नहीं कहा जा सकता है कि नए पोतवणिक द्वारा दिए गए बयानों को स्पष्ट सत्य के रूप में स्वीकार किया जाए। निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह खुला है कि वह मूल जांच के समय एकत्र साक्ष्य अथवा उसके पास उपलब्ध ऐसी सामग्री की जांच कर ले जो नए पोतवणिक द्वारा दिए गए वक्तव्यों की सत्यता का प्रत्यक्ष रूप से पता लगाए। यदि आवेदन-पत्र में दिए गए वक्तव्यों के विपरीत वास्तविक साक्ष्य मिलता है तो तब निर्दिष्ट प्राधिकारी नई पोतवणिक समीक्षा प्रारंभ करने के लिए मना कर सकता है। मौजूदा मामले में नई पोतवणिक समीक्षा आरंभ करने की तारीख को रिकॉर्ड में यह दर्शाने के लिए कोई सामग्री नहीं मिली कि मै0 नन्हाई चीन जन.गण. द्वारा प्रस्तुत वक्तव्य सही नहीं थे। न तो याचिका में और न ही दलील के समय याचिकाकर्ता ने यह दर्शाने के लिए कोई सामग्री प्रस्तुत नहीं की कि नए पोतवणिक द्वारा की गई घोषणा सही नहीं है। इस मामले को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी के आदेश में नई पोतवणिक समीक्षा प्रारंभ करने की सिफारिश में कोई गलती नहीं पाई गई है। हमारी राय में, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए नियमावली के तहत ऐसी कोई अपेक्षा नहीं है कि वह नई पोतवणिक समीक्षा प्रारंभ करने से पहले निर्यातक तथा उत्पादक अथवा यूएई के किसी अन्य निर्यातकों के बीच किसी संबंध का पता लगाए। न तो याचिका में और न ही दलील के समय हमारे सामने कोई ऐसी

सामग्री प्रस्तुत नहीं की गई है जिससे यह पता चले कि मै0 नन्हाई चीन जन.गण. द्वारा की गई घोषणा गलत है। इसलिए मौजूदा मामले के तथ्यों में यह नहीं कहा जा सकता है कि नई पोतवणिक समीक्षा प्रारंभ करने से पहले निर्दिष्ट प्राधिकारी की ओर से कोई प्रत्यक्ष संतुष्टि नहीं हुई है।

6. प्राधिकारी नोट करता है कि माननीय उच्च न्यायालय ने यह भी निर्णय दिया कि नन्हाई, चीन जन.गण. द्वारा इस आशय की अगर एक बार घोषणा हो जाती है कि उन्होंने जिस माल का उत्पादन किया है उसका जांच की मूल अवधि के दौरान निर्यात नहीं किया गया और यह भी कि उनका किसी ऐसे निर्यातकों से कोई संबंध नहीं है जिन्होंने भारत को इस माल का निर्यात किया है। तब मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलियान कंस्ट्रक्शन पोर्सलेन कं0 लि0 चीन.गण. द्वारा उत्पादित माल के निर्यातक अर्थात् मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, यूएई की ओर से आवेदन अथवा घोषणा आवश्यक नहीं है। माननीय उच्च न्यायालय ने यह भी नोट किया कि वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना नियम 22(2) के अनुसार ठीक है जिसमें यह बताया गया है कि केन्द्रीय सरकार पाटनरोधी नियमावली के उपनियम (1) में यथाव्यवस्था अनुसार समीक्षा अवधि के दौरान ऐसे निर्यातकों तथा उत्पादकों से होने वाले आयातों पर अधिनियम की धारा 9क की उप धारा(1) के तहत पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाएगी।

7. मौजूदा मामले में भारत को संबद्ध माल के निर्यातक मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडर, यूएई के नहीं होने के मुद्दे के संबंध में अधिकारियों के एक दल ने दुबई में स्थित परिसर पर निर्यातक द्वारा प्रस्तुत जानकारी का सत्यापन किया। यह पाया गया है कि मै0 प्रैस्टिज एक प्रोपराईटरशिप कंपनी है जिसके पास आर्थिक विकास विभाग, यूएई द्वारा जारी वाणिज्यिक लाइसेंस है। इस फर्म का मालिक यूएई का एक राष्ट्रिक है और वह सभी व्यापार कार्यकलापों के लिए प्राधिकृत हस्ताक्षरी के रूप में एक जनरल पॉवर ऑफ अटॉर्नी द्वारा श्री आशीष साह से प्राधिकृत है। यह भी पाया गया कि प्राधिकारी के सामने अलग-अलग निवेदनों में दिए गए अलग-अलग पोस्ट बॉक्स नं0 इसलिए हैं कि एक पोस्ट बॉक्स नं0 प्रोपराईटर का पता इंगित करता है जबकि दूसरा पोस्ट बॉक्स नं0 प्राधिकृत हस्ताक्षरी के पते का है। मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडर, यूएई और मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलियान कंस्ट्रक्शन पोर्सलेन कं0 लि0 चीन जन.गण. के बीच संबंध के मामले में यह पाया गया कि दोनों ही कंपनियों का स्वामित्व अलग-अलग राष्ट्रिकों के हाथों में है और उन्होंने एक दूसरे के कार्यकलापों में कोई निवेश नहीं किया है। मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडर, यूएई किसी उत्पादन कार्यकलाप में नहीं लगा हुआ है निर्यातक ने प्राधिकारी को तुलन-पत्र तथा लाभ-हानि लेखा की प्रतिलिपि

प्रस्तुत की है। हालांकि नियम 22 में माननीय उच्च न्यायालय मुंबई द्वारा घरेलू उद्योग द्वारा दायर अपील याचिका के आधार पर पहले ही निपटाए गए उपर्युक्त मुद्दों की जांच तथा निर्धारण के संबंध में कोई प्रावधान नहीं है किंतु प्राधिकारी ने इन मुद्दों की विस्तार से यह सुनिश्चित करने के लिए जांच की है कि मौजूदा जांच में घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दों को उचित व्यवहार प्रदान किया जाए।

8. घरेलू उद्योग द्वारा इस बारे में लगाए गए दोषारोपण के संबंध में कि मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडर, यूएई को बिना किसी अनुरोध अथवा उसके संज्ञान की पहचान किए बिना पाटनरोधी शुल्क के भुगतान से छूट दे दी थी, प्राधिकारी नोट करता है कि यह छूट मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडर, यूएई द्वारा संबद्ध माल के निर्यात पर दी जाती है बशर्ते कि उसका उत्पादन मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कं0 लि0, चीन जन.गण. द्वारा किया गया हो और यह छूट अन्य कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध माल के निर्यात पर नहीं दी जाती है। घरेलू उद्योग द्वारा इस कंपनी की मौजूदगी और मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, यूएई के आवेदन-पत्र के हस्ताक्षरी के संबंध में उठाई गई आपत्ति पर माननीय उच्च न्यायालय ने पाया है कि "नन्हाई द्वारा एक बार इस आशय की घोषणा हो जाने पर कि संबद्ध माल का उत्पादन उन्होंने नहीं किया है, जांच अवधि के दौरान उसका निर्यात नहीं किया है और उनका किसी ऐसे निर्यातक से कोई संबंध नहीं है जिसने भारत को इस माल निर्यात किया हो, तब ऐसी स्थिति में नन्हाई द्वारा उत्पादित माल के निर्यातक प्रैस्टिज के किसी आवेदन अथवा घोषणा होना आवश्यक नहीं है। अतः नन्हाई द्वारा उत्पादित माल के संबंध में पाटन-मार्जिन के निर्धारण के लिए प्रैस्टिज की ओर से कोई आवेदन अथवा घोषणा प्रस्तुत करना आवश्यक नहीं था।

9. यह उल्लेख करना आवश्यक है कि मौजूदा मामले में कार्रवाई को माननीय उच्च न्यायालय मुंबई तथा इन क्रियाविधियों के पूरा नहीं होने के दौरान माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष घरेलू उद्योग के किसी एक वर्ग द्वारा उठाए गए मुद्दों को देखते हुए देख लिया जाए। मै0 एच ऐंड आर जॉनसन(इंडिया) लि0 ने मुंबई हाईकोर्ट में मौजूदा नई पोतवणिक समीक्षा प्रारंभ किए जाने के विरुद्ध एक रिट याचिका दायर की और माननीय न्यायालय द्वारा याचिका पर सुनवाई तथा अन्तिम निपटान होने तक दिनांक 23.5.03 की अधिसूचना और दिनांक 1.7.03 की सीमाशुल्क अधिसूचना के लागू होने पर रोक लगाई गई। माननीय उच्च न्यायालय ने इस रोक को दिनांक 2.12.03 को हटा दिया और प्राधिकारी को निर्देश दिया कि जांच त्वरित गति से की जाए। माननीय उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के आदेशों के विरुद्ध घरेलू उद्योग द्वारा दायर अपील याचिका पर कोई रोक नहीं लगाई और यह उच्चतम

न्यायालय में अभी भी न्यायाधीन है। माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा इस रोक को 20 जनवरी, 2004 को हटा दिए जाने के पश्चात् जांच प्रक्रिया पुनः प्रारंभ की गई। उसके पश्चात् प्रश्नावली पर प्राप्त निर्यातकों के प्रत्युत्तर की जांच की गई और त्रुटियों का उल्लेख किया गया। इन त्रुटियों के प्रत्युत्तर में निर्यातक ने संशोधित निर्यातक प्रश्नावली में जानकारी प्रदान की। जांच को सुकर बनाने के प्रयोजनार्थ समय-समय पर अतिरिक्त जानकारी भी मांगी गई। बिक्री मात्रा तथा मूल्य के संबंध में कतिपय त्रुटियां पाई गई जिन्हें निर्यातक ने ठीक कर दिया। अपूर्ण निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा दी गई टिप्पणियों के संबंध में प्राधिकारी नोट करता है कि ये टिप्पणियां तथ्यों पर आधारित नहीं हैं।

10. घरेलू उद्योग की यह दलील सही नहीं है कि निर्यातक/उत्पादक को पूर्णतया संशोधित प्रत्युत्तर ऐसे प्रत्युत्तर दर्ज करने की अवधि समाप्त हो जाने के काफी बाद प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई है। उत्पादक ने बढ़ाई गई समयावधि के भीतर महत्वपूर्ण प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए। मुम्बई उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए रोक आदेश के मद्देनजर इस समीक्षा मामले में 20 जनवरी, 2004 तक कोई अगला कदम नहीं उठाया गया। प्राधिकारी नोट करता है कि रोक हटा दिए जाने के बाद निर्यातक/उत्पादक से अतिरिक्त जानकारी/स्पष्टीकरण मांगे गए। सत्यापन किए जाने से पहले फरवरी, 2004 में निर्दिष्ट प्राधिकारी को नए निर्यातक प्रपत्र में संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई गई।

11. घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि निर्यातक ने महत्वपूर्ण जानकारी को गोपनीय रखा जिससे विरोधी इच्छुक पक्षकारों को जानकारी को चुनौती देने के अधिकार और प्राधिकारी को सार्थक निवेदन करने से वंचित रखा गया है। किंतु विरोधी इच्छुक पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई जानकारी के संबंध में प्राधिकारी ने इस पर गोपनीयता संबंधी उपबंधों के अनुसार कार्रवाई की है। पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में उसमें निर्धारित शर्त के अध्याधीन गोपनीय आधार पर इच्छुक पक्षकारों द्वारा जानकारी प्रस्तुत किए जाने का प्रावधान है। गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी का अगोपनीय सारांश सार्वजनिक फाइल में रखा जाता है जो पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार सभी इच्छुक पक्षकारों के निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। इस मामले में किए गए गोपनीय निवेदनों के अगोपनीय सारांश सार्वजनिक फाइल में रखे गए हैं जिसे इच्छुक पक्षकार देख सकते हैं और इसकी प्रतिलिपियां अनुरोध पर उपलब्ध कराई गई।

2005-9/2004-5

12. घरेलू उद्योग ने (अपने दिनांक 5.5.2004 के पत्र द्वारा) तर्क दिया है कि निर्यातक ने प्रश्नावली के पैरा-डी के तहत सम्पूर्ण कंपनी के संबंध में पूंजी निवेश के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं जबकि परिशिष्ट-7 में आबंटन-ब्यौरे देते हुए निर्यातकों ने दाव किया कि संबंधित उत्पाद के लिए अलग से रिकार्ड रखा जा रहा है। इन दोनों स्थितियों की जांच की गई। चीन के उत्पादक ने दिनांक 12.2.2004 को संशोधित प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में पूंजी निवेश के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। इस संशोधित प्रश्नावली में कंपनी ने इंगित किया है कि दिए गए आंकड़े सम्पूर्ण कंपनी के संबंध में हैं। किन्तु निर्यातक ने दिनांक 26.2.2004 के अपने पत्र द्वारा व्यय-आबंटन के ब्यौरे देते हुए और अधिक जानकारी प्रस्तुत की। जांच तथा निर्यातक के संयंत्र पर सत्यापन के दौरान यह देखा गया कि यह निर्यातक पहले केवल सिरामिक टाइलों का उत्पादन दो प्रणालियों में कर रहा था। यह देखा गया कि निर्यातक ने एक प्रणाली को विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों के उत्पादन हेतु परिवर्तित कर दिया। अतः सावधि परिसम्पत्तियों संबंधी व्यय-आबंटन तकनीकी आकलन के आधार पर किया गया। इस जांच में यह दर्शाया गया कि परिसम्पत्तियों का 60% भाग विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों के लिए समर्पित किया गया है और केवल 40% भाग सिरामिक टाइलों के लिए रखा गया है। यह पाया गया कि मूल्यहास का आबंटन इसी आधार पर किया गया और इसकी सूचना/स्पष्टीकरण उनके दिनांक 26.2.2004 के पत्र में दे दिया गया। यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित परिशिष्ट-7 निर्यातक द्वारा दिनांक 16.8.2003 को प्रस्तुत किया गया किन्तु, उन्होंने बाद में अपने दिनांक 26.2.2004 के निवेदन द्वारा परिशिष्ट 7 में यह स्वीकार किया कि आबंटन का अनुपात 2:3 है जिसका बाद में सत्यापन किया गया। प्राधिकारी ने निष्कर्ष दिया कि परिशिष्ट-7 के तहत प्रस्तुत आबंटनों को उनके संयंत्र में विस्तृत सत्यापन के पश्चात ठीक पाया गया।

13. घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए इस मुद्दे की भी जांच की गई कि कंपनी ने कतिपय जानकारी को रोक दिया है। प्राधिकारी ने इसकी पड़ताल की और पाया कि लागत/आबंटन सतत/यथोचित आधार पर किया गया है।

14. आबंटन के आधार, क्षमताओं/स्टॉकों, आदि से संबंधित जानकारी पड़ताल से पहले प्रस्तुत की गई थी जिनकी बाद में पड़ताल की गई। उत्पादन-प्रक्रिया संबंधी जानकारी प्रदान की गई। निर्यातक ने खरीदे गए माल के संबंध में ब्यौरे प्रस्तुत किए जिनकी विधिवत पड़ताल की गई। विचाराधीन उत्पाद के लिए यथोचित ब्याज एवं वित्तीय विवरण-पत्रों के संबंध में गोपनीयता का दावा किया था। उत्पादक द्वारा टैक्स ब्यूरो को प्रस्तुत मासिक आधार पर लाभ-हानि लेखा पड़ताल से पहले दिनांक

26.2.2004 के पत्र द्वारा प्रस्तुत कर दिया गया था और उसकी पड़ताल कर दी गई। विभिन्न परिशिष्टों में घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित अभिप्रेत त्रुटियों की पड़ताल के दौरान जांच की गई। विधिवत जांचे गए/मिलाए गए आंकड़ों को इन जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ अपना लिया गया है।

घ. प्रकटन विवरण-पत्र पर टिप्पणियां तथा उनकी जांच

घ.1 मुरुदेश्वर सिरामिक्स लि० के विचार

15. मै० मुरुदेश्वर सिरामिक्स मूल जांच में एक आवेदक रहा किंतु प्रकटन विवरण-पत्र तक उसने इस नई पोतवणिक समीक्षा को जाहिर नहीं किया है। उन्होंने प्राधिकारी के प्रकटन विवरण-पत्र पर अब निम्नानुसार टिप्पणी प्रस्तुत की है:

i) गुजरात में विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों के विनिर्माण एककों में चीन जन.गण. से विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों के अत्यधिक पाटन के कारण भयंकर संकट उत्पन्न हुआ है। मूल जांच में पाटन-रोधी शुल्क चीन जन.गण. से विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों के आयात पर 8.28 वर्गमीटर अमरीकी डालर की दर से लगाया गया।

ii) यह कहा गया है कि निर्यात कीमत जिस पर भारत को विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों का निर्यात होता है 2.75 अमरीकी डालर से 5.90 अमरीकी डालर प्रति वर्गमीटर के हिसाब से बिल्कुल कम रखी जाती है। इसलिए किए जा रहे आयात 8.28 अमरीकी डालर प्रति वर्गमीटर से भी कम कीमत पर हो रहे हैं अर्थात् मूल जांच में पाटनरोधी शुल्क लगाया गया।

iii) नए पोतवणिक के लिए अलग-अलग पाटन निर्धारण के कारण पिछली अधिसूचना की कारगरता समाप्त हो जाएगी और घरेलू उद्योग को नन्हाई/प्रेस्टिज द्वारा बहुत ही कम कीमत पर पाटन के कारण वास्तविक क्षति होगी।

iv) यह उल्लेख करना संगत है कि चीन के निर्यातकों के लिए यह संभव है कि वे इतनी कम कीमत पर विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों सहित अनेक उत्पादों का पाटन करेंगे। यह ऐसा इसलिए है कि उन्हें सरकार से अनेक रूपों में उपदान/सहायता प्राप्त होती है। ऐसा इस कारण है कि चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार दिया जाता है। यह एक सामान्य ज्ञान है कि कोई प्रणाली अपनाई नहीं जाती है, विदेशी

मुद्रा दर नियंत्रण में रहती है, कोई उचित लेखा/लागत-निर्धारण की प्रणाली को अनुसरण नहीं किया जाता है। इसलिए इस निर्यातक (नन्हाई) को सरकार की ओर से किसी हस्तक्षेप के बिना बाजार अर्थव्यवस्था शर्तों में कार्य करने की अनुमति देना पूर्णतया गलत है और यह विश्व के अधिकांश देशों के विचार के अनुरूप नहीं है। असाधारणतया इतनी कम कीमत इसलिए है क्योंकि सरकारी हस्तक्षेप और उपदान दिए जाते हैं अतः इसे गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार दिया जाए।

v) उन्होंने अनुरोध किया है कि इस नई पोतवणिक समीक्षा के तहत आरंभ कार्रवाई को समाप्त किया जाए अथवा 8.28 अमरीकी डालर प्रति वर्गमीटर की दर से यथोचित पाटनरोधी शुल्क लगा दिया जाए जैसाकि मूल मामले में किया गया था।

vi) मै0 नन्हाई (उत्पादक) ने प्रैस्टिज (निर्यातक) के साथ एक अनन्य बिक्री प्रबंध किया और बाद में मै0 प्रैस्टिज ने भी मै0 निटको टाइल्स मुंबई के साथ एक ऐसा ही प्रबंध किया। पाटनरोधी महानिदेशालय ने यह निर्णय दिया है कि मै0 नन्हाई से होने वाले निर्यात पाटित कीमत पर नहीं हो रहे हैं बावजूद इसके कि निर्यात कीमत बहुत ही कम है और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इस स्थिति के परिणामस्वरूप मै0 निटको टाइल्स लि0 का टाइल व्यापार में एकाधिकार हो जाएगा।

घ. II मै0 एच ऐंड आर जॉनसन (इंडिया) लि0 के विचार

16. मै0 एच ऐंड आर जॉनसन ने प्राधिकारी के प्रकटन विवरण-पत्र पर निम्नानुसार टिप्पणी की है:

i) प्राधिकारी को मौजूदा जांच में भ्रमित किया गया और इस आशय की प्रस्तुत जानकारी पर स्पष्टीकरण लिए जाने की आवश्यकता है।

ii) निर्यातक ने बहुत सी जानकारी को गोपनीय बताया है जिन्हें गोपनीय नहीं कहा जा सकता है। प्रोपराईटर का नाम गोपनीय रखा गया है।

iii) यह भी कहा गया है कि प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में दी गई जानकारी के सत्यापन का कोई भी प्रमाण-पत्र सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध नहीं कराया गया। क्या प्राधिकारी ने इस जांच के प्रयोजनार्थ निर्यातक तथा उत्पादक की अप्रमाणित जानकारी पर विचार किया है?

iv) निर्यात की एनएमई प्रश्नावली का प्रत्युत्तर उपलब्ध नहीं कराया गया ।

v) जांच के इस चरण में भी यह जानकारी या तो भ्रामक है अथवा अपूर्ण है और यह निर्दिष्ट प्राधिकारी को शुल्क की सिफारिश हेतु सिफारिश करने से छूट नहीं देने का आधार नहीं बन सकती है । यह नोट करना संगत है कि मौजूदा मामलों में निर्यातक/उत्पादक को दिया गया स्थान अभूतपूर्व है । हमें लगता है कि उत्पादक ने संशोधित विस्तृत गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के चीन के सत्यापन दौर के समाप्त होने के बाद प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है और जबकि संशोधित प्रश्नावली गलती से दर्ज कर दी गई थी और उसमें अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल नहीं किया गया है ।

vi) यह निवेदन है कि यह दृष्टिकोण अपूर्ण है और 2003 (155) ईएलटी 35 के तहत एक्साइड बैटरीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय सेसटेट के निर्णय के विपरीत है जिसमें अपीलीय प्राधिकरण ने केवल इस आधार पर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के लिए लागू कतिपय निर्यातकों पर शुल्क लगाए जाने का आदेश दिया कि गैर बाजार अर्थव्यवस्था के संबंध में दी गई जानकारी की निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कभी भी पड़ताल नहीं की । इसके अलावा, यह नोट करना भी संगत है कि अपीलीय न्यायाधिकरण के इस विचार को माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के कार्यालय द्वारा स्वीकृत किया गया क्योंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपीलीय न्यायाधिकरण के किसी ऐसे विचार के विरुद्ध कोई भी अपील दायर नहीं की गई है ।

घ. III प्राधिकारी द्वारा जांच

17. चीन के उत्पादक को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिए जाने के संबंध में इच्छुक पक्षकारों द्वारा दी गई दलीलों की प्राधिकारी ने इन जांच परिणामों में समुचित स्थान पर जांच की है । चीन के उत्पादक के बाजार अर्थव्यवस्था के दावे की चीन की कंपनी के सत्यापित आंकड़ों के आधार पर जांच तथा विश्लेषण किया गया जिसे पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(3) में यथाव्यवस्थानुसार उसके पहलुओं को कवर करते हुए उनके निर्यातक निवेदन में प्राधिकारी को उपलब्ध कराया गया । संबद्ध माल के उत्पादक मै0 नन्हाई. शांगीयुआन आउलियान कंस्ट्रक्शन सिरामिक्स कं0 लि0 चीन जन.गण. ने निवेदन प्रस्तुत किया जिसके साथ प्रारंभन अधिसूचना के प्रत्युत्तर में एमईटी के उसके दावे को पूर्ण रूप से व्यक्त किया गया । निश्चित प्रपत्र में

जानकारी उपलब्ध कराना आवश्यक नहीं है । किंतु निर्यातक/उत्पादक पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(3) के तहत पूर्वानुमान का खंडन करते हुए निवेदन कर सकता है । निर्यातक/उत्पादक द्वारा प्रस्तुत जानकारी/साक्ष्य में एमईटी के लिए प्राधिकारी द्वारा जांच किए जाने की आवश्यकता है । डीजीएडी के अधिकारियों ने निर्यातक/उत्पादक के परिसर पर सत्यापन निर्यातक/उत्पादक द्वारा उपलब्ध कराई गई आधारिक जानकारी/साक्ष्य के बाद ही किया । उत्पादक के परिसरों की सत्यापन यात्रा के दौरान चीन के डब्ल्यू टी ओ पद प्राप्ति के संबंध में अधिकारियों द्वारा स्पष्टीकरण मांगा गया जिसे निर्यातक/उत्पादक ने सत्यापन के पश्चात प्रस्तुत कर दिया था । इस निवेदन में निर्यातक/उत्पादक ने पहले प्रस्तुत निवेदन को दोहराने का प्रयास किया है । और आगे अवांछित सत्यापन के संबंध में कोई नया आधारिक साक्ष्य/जानकारी निर्यातक/उत्पादक द्वारा सत्यापन दौरे के बाद प्रस्तुत नहीं की गई ।

18. इच्छुक पक्षकारों ने यह दलील दी है कि निर्यात कीमत तथा उत्पादन लागत मूल जांच की जानकारी से भिन्न है । नई पोतवणिक जांच नए पोतवणिक के संबंध में किसी अन्य अवधि के लिए इस कंपनी के अलग-अलग पाटन-मार्जिन का निर्धारण करती है जिन्होंने किसी क्षति विश्लेषण की अपेक्षा के बिना पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार उराके अलग-अलग आकलन के लिए अनुरोध किया है । मूल जांच में प्राधिकारी ने जांच की अन्य अवधि के लिए संबद्ध देशों से तथाकथित पाटित आयातों के कारण पाटन तथा क्षति दोनों की जांच की ।

19. निर्यातक तथा उत्पादक द्वारा प्रस्तुत जानकारी का डीजीएडी के अधिकारियों के दल ने सत्यापन किया और इन जांच परिणामों में केवल सत्यापित आंकड़ों को ही शामिल किया है । जांच के दौरान इच्छुक पक्षकारों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों की विधिवत् जांच की गई है और सत्यापन दल द्वारा अपने रिकॉर्ड में उसका सत्यापन किया गया है ।

20. इच्छुक पक्षकारों ने यह दलील दी है कि चीन के निर्यातक ऐसी असाधारण कम कीमत पर पाटन करने की स्थिति में हैं क्योंकि उन्हें सरकार से उपदान तथा सहायता प्राप्त होती है । प्राधिकारी नोट करता है कि इच्छुक पक्षकारों द्वारा लगाया गया आरोप बिना सबूत के है ।

21. इच्छुक पक्षकारों ने अपने-अपने निवेदनों में कहा है कि विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों पर पाटनरोधी शुल्क होने के बावजूद चीन की टाइलों को मलेशिया,

इंडोनेशिया आदि के रास्ते भेजा जाता है ताकि पाटनरोधी शुल्क को टाल दिया जा सके। प्राधिकारी नोट करता है कि नई पोतवणिक जांच में जांच के लिए यह मुद्दा संगत नहीं है।

22. अन्य इच्छुक पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन विवरण-पत्र पर गुजरात सिरामिक फ्लोर टाइल्स मैन्यू0 एसोसिएशन द्वारा किए गए निवेदन प्राप्त किए गए क्योंकि प्रकटन विवरण-पत्र डीजीएडी द्वारा उन्हें नहीं भेजा गया था क्योंकि गुजरात सिरामिक फ्लोर टाइल्स मैन्यू0 एसोसिएशन मूल जांच में न तो इच्छुक पक्षकार रहा था और न ही पाटनरोधी नियमावली के उपबंधों के अनुसार वह इस नई पोतवणिक समीक्षा में ही शामिल है। इसके अलावा, यह स्पष्ट किया जाता है कि इस एसोसिएशन ने पिछली जांच अथवा इस जांच के दौरान कोई अभ्यावेदन/निवेदन नहीं दिया है। वे सिरामिक टाइलों के उत्पादक हैं जो मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद नहीं रही थी। इसलिए प्राधिकारी नोट करता है कि यह एसोसिएशन एक इच्छुक पक्षकार नहीं बन सकता है जिससे वे इस जांच में कोई निवेदन कर सकें। किंतु अन्य इच्छुक पक्षकारों द्वारा उठाए गए इसी प्रकार के मुद्दों पर इन जांच परिणामों में समुचित स्थान पर कार्रवाई की गई है।

23. प्राधिकारी द्वारा प्रेस्टिज निर्यातक के ज़रिए मै0 निटको टाइल्स मुम्बई के साथ मै0 नन्हाई (उत्पादक) के अनन्य बिक्री प्रबंध संबंधी दलीलों की जांच की गई है। यह पाया गया है कि इस निर्यातक ने संबद्ध माल की काफी मात्रा में भारत को निर्यात किया है। प्राधिकारी ने आयातक द्वारा विभिन्न पक्षकारों को की गई बिक्रियों की विस्तार से जांच भी की है। यह पाया गया है कि यह बिक्रियां यथोचित लाभ पर विभिन्न मात्राओं में विभिन्न ग्राहकों को की गई हैं। प्राधिकारी नोट करता है कि आयातक के साथ निर्यातक के ज़रिए उत्पादक के बीच बिक्रियों के अनन्य प्रबंध एक कहा-सुना तथ्य है जिसकी अलग-अलग परिसरों की सत्यापन यात्रा के दौरान डीजीएडी के अधिकारियों के दल ने उनके रिकॉर्ड से सत्यापन किया था।

ड. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा तथा उसकी जांच

ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

i) चीन के उत्पादकों ने गैर-बाजार प्रश्नावली में जानकारी प्रस्तुत नहीं की अलग-अलग सहयोगकारी निर्यातकों के बाजार अथवा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के

संबंध में जानकारी हासिल करने की निर्धारित मानक पद्धति का अनुसरण नहीं किया गया जिसके फलस्वरूप ऐसी स्थिति बन गई है जहां नन्हाई द्वारा इस आशय को लिखित में साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया कि यद्यपि वह चीन में आधारित रहा किंतु वह बाजार दशाओं के तहत व्यापार कर रहा था। पद्धति से हटने के फलस्वरूप हमें सार्वजनिक सुनवाई के दौरान नियमावली के तहत निर्धारित महत्वपूर्ण अपेक्षा पर टिप्पणी प्रस्तुत करने से इंकार किया गया है।

ii) मौजूदा जांच से ये अपेक्षा है कि वह एनएमई संबंधी संशोधित नियमावली के अनुसार की जाए। निर्यातक को चाहिए कि वह प्राधिकारी को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के संबंध में संतुष्ट करे। इस निर्यातक का अगोपनीय अंश बिल्कुल अपर्याप्त है और निर्यातक द्वारा दर्ज जानकारी के अंश को समझने की अनुमति के लिए अपर्याप्त है। चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और उसे ऐसा मूल जांच में भी व्यवहार दिया गया है। अधिसूचना सं० 28/2001-सीमा शुल्क (एन.टी.) की टिप्पणी में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की सूची में रखा गया है। उक्त अधिसूचना में यह भी प्रावधान है कि रूस और चीन में बदलती हुई आर्थिक दशाओं के मद्देनजर यह जहां उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट कारकों के संबंध में लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर यह दर्शाया जाता है कि बाजार दशाएं एक अथवा अधिक फर्मों के लिए जारी रहती हैं जो पाटनरोधी जांच के अध्यक्षीन होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त नियमावली के पैरा 8 में विहित सिद्धांतों की बजाए पाटनरोधी नियमावली के पैरा 1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू कर सकेगा।

ड. II मै० नन्हाई शांगीयुआन आउलियान कन्स्ट्रक्शन पोर्सलेन्स कं० लि०, चीन.जन.गण के विचार

i) नए पोतवणिक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एम.ई.टी) का दावा किया है और उसके सबूत में साक्ष्य प्रस्तुत किया है।

ii) चीन जनवारी गणराज्य के दिवालिएपन कानून में फर्मों के कार्यचालन के संबंध में यथोचित कानूनी तथा विनियामक ढांचा मौजूद है और फर्म संबंधित कानूनों तथा विनियमों के अनुसार दिवालिएपन की मुक्त रूप से घोषणा कर सकते हैं।

iii) विट्रिफाइड टाइलों के विनिर्माण हेतु अपेक्षित प्रमुख कच्चा माल फोशान शहर में तथा उसके आसपास उपलब्ध है जहां 600 से भी अधिक विट्रिफाइड/पोर्सलेन

टाइल फैक्ट्रियां हैं। कंपनी मांग तथा सप्लाई द्वारा निर्धारित बाजार कीमतों पर खुले बाजार से कच्चा माल तथा अन्य संगत निविष्टियों की खरीद करने के लिए स्वतंत्र है। कच्चे माल अथवा अन्तिम उत्पाद की कीमतों अथवा लागतों के निर्धारण में किसी भी सरकारी अथवा स्थानीय प्राधिकारी को कुछ भी नहीं कहना होता है। प्रयुक्त कच्चे माल के आयातों के संबंध में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कोई प्रतिबंध अथवा शर्त नहीं होती है किंतु कंपनी बाजार से कोई कच्चा माल आयात नहीं करती है।

iv) आवश्यक सुविधाओं के प्रभार किसी विशेष अथवा उपदान दरों के बिना समान्य दरों पर लिए जाते हैं। बिजली की सप्लाई गुआंगडोंग इलैक्ट्रिसिटी ग्रुप कं० की फोशान शाखा द्वारा की जाती है। इसी प्रकार, जल आपूर्ति फोशान वाटर सप्लाई जनरल कं० लिमिटेड द्वारा की जाती है। चीन जनवादी गणराज्य के बिजली कानून के अनुच्छेद 35 के अनुसार बिजली की कीमत एकसमान नीति के सिद्धांत पर आधारित होगी। जनवरी, 2003 से बिजली की कीमत का विनियमन ऐसे समय के अनुसार होता है जिसमें बिजली की खपत की जाती है। जल तथा विद्युत प्रभार खपत पैटर्न तथा संबंधित सप्लाई कंपनियों द्वारा ली जाने वाली मौजूदा कीमतों के अनुसार लिए जाते हैं।

v) जहां तक श्रम का संबंध है, फर्म को इस बात की स्वतंत्रता है कि वह अपने श्रमिकों का संगठन करे और उन्हें पारिश्रमिक दे। एकमात्र शर्त यह है कि फर्म को यह सुनिश्चित करना होता है कि न्यूनतम मजदूरी स्तर की गारंटी दी जाए। सभी कर्मचारियों को चिकित्सा एवं शिक्षा सुविधाएं प्राप्त होती हैं। यह कंपनी फैक्ट्री में कार्यरत कामगारों को आवास सुविधाएं प्रदान करती है। कामगारों को वेतन, समयोपरि भत्ता, प्रदूषण नियंत्रण प्रभार, श्रमिक संरक्षण प्रभार, क्षति बीमा तथा सेवानिवृत्ति बीमा प्रदान किया जाता है।

vi) चीन के लेखा सिद्धांतों के अनुसार फर्म को आधारिक लेखा-रिकार्ड कायम रखना पड़ता है और फर्मों के स्वतंत्र लेखा-परीक्षा फर्मों द्वारा लेखा परीक्षित लेखा रिकार्ड होते हैं। सामान्य कारपोरेट वित्तीय लेखा अवधि जनवरी से दिसंबर तक होती है। लेखा-पद्धतियां चीन के सामान्यतया स्वीकृत लेखा-सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार होती हैं।

vii) भूमि, भवनों तथा मशीनों का प्रयोग उत्पादन तथा वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए किया जाता है। इस कंपनी के पास ये सुविधाएं उपलब्ध हैं। चीन के कानूनों में

संपदा स्वामित्व को संरक्षण दिया जाता है। स्वाभाविक तथा कानूनी लोगों को अपनी संपत्ति अधिग्रहीत करने, उपयोग, उसे बेचने से लाभ लेने का कानूनी अधिकार प्राप्त है। चीन जनवादी गणराज्य के सिविल कानून के सामान्य सिद्धांतों में यह प्रावधान है कि किसी भी स्वामी को अपनी संपत्ति कानूनी तौर पर खरीदने, उपयोग करने, उससे लाभ कमाने तथा उसे बेचने का अधिकार प्राप्त है। इस प्रकार, फर्में दिवालिएपन तथा संपत्ति कानूनों दोनों के अध्यधीन होती हैं जिनमें कारोबार के कार्यचालन के कानूनी स्थायित्व तथा निश्चितता की गारंटी दी गई है।

viii) डब्ल्यू टी ओ के चीन जन.गण. के पद प्राप्ति नयाचार में उसके अनुबंधों में सीमित उत्पादों के संबंध में विस्तार से निर्धारण किया गया है जो राज्य व्यापार (आयात तथा निर्यात), उसके कीमत नियंत्रणों के अध्यधीन उत्पाद तथा सेवाओं के अध्यधीन है और यह भी बताया गया है कि उन्हें पारगमन अवधि के दौरान किस प्रकार धीरे-धीरे समाप्त किया जाना है। प्रोटोकॉल के इन अनुबंधों में विट्रिफाइड टाइलों को कीमत नियंत्रण के अध्यधीन रखे जाने का इंगित नहीं है और कॉबल स्टोन, रंजकों तथा रसायनों को सरकारी नियंत्रण के अध्यधीन जैसे इन उत्पादों को इस कच्चे माल अथवा खपत योग्य उत्पादों को शामिल नहीं किया गया है।

ix) चीन ने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की परंपराओं को स्वीकार किया है और वह दिनांक 1 दिसंबर, 1996 को अनुच्छेद 8 के तहत आईएमएफ का सदस्य बन गया है और उसने चालू खाता आरएमबी पर सभी प्रतिबंधों को हटा दिया है जिसे कभी भी चालू खाते के तहत मुक्त रूप से प्रमुख विदेशी मुद्राओं में बदल दिया जा सकता है। जहाँ कहीं किसी घरेलू उद्यम को किसी चालू खाता लेन-देन के लिए विदेशी मुद्रा की आवश्यकता होती है तो वह विदेशी मुद्रा की खरीद निर्दिष्ट विदेशी मुद्रा बैंक के आरएमबी में बाजार दर के अनुसार कर सकता है और उसके लिए विदेशी मुद्रा खाते से अपने संगत वैध बीजक के साथ खरीद कर सकता है। इसका अर्थ यह है कि इन दोनों मामलों के संबंधित उद्यम विदेशी मुद्रा की खरीद जब चाहे कर सकते हैं क्योंकि ये कंपनियां चालू खाता लेन-देन के तहत आने वाले माल का व्यापार करती हैं।

x) इस कंपनी ने कभी भी वस्तु विनिमय व्यापार अथवा प्रति व्यापार नहीं किया है। इस कंपनी ने कभी भी मुआवजा व्यापार (जिसे उत्पाद खरीद वापसी के नाम से भी जाना जाता है) नहीं किया है।

xi) कंपनी अपने ग्राहकों को अपवादी परिस्थितियों को छोड़कर ऋण ऑफर नहीं करती है। सभी निर्यात बिक्रियाँ मौके पर ऋण-पत्रों अथवा अग्रिम भुगतान के आधार पर की जाती हैं। इसलिए कंपनी को कोई बुरी ऋण परिस्थिति नहीं झेलनी पड़ी है।

xii) जैसा कि लेखा-परीक्षित खाते में इंगित किया गया है, भवनों का मूल्य ह्रास 20 वर्षों के लाभप्रद जीवन अवधि में किया जाता है। मूल्य ह्रास की दर 5% के वेशी मूल्य देने के बाद 4.75% है। मशीनरी तथा उपस्कर का मूल्य ह्रास 5% वेशी मूल्य देने के बाद प्रत्यक्ष आधार पर 10 वर्षों के लाभप्रद जीवन में दिया जाता है। वार्षिक मूल्य ह्रास की दर 9.5% है।

ड. III प्राधिकारी द्वारा जांच

24. मौजूदा मामले में चीन के एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में जांच किए जाने का प्रस्ताव था। याचिकाकर्ता ने मूल जांच में चीन पर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का आरोप लगाया है। अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण की जांच नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 तथा 8 यथा विहित अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी नियमावली के अनुसार की जानी चाहिए।

25. जैसा कि नए पोतवणिक तथा चीन के दूतावास को सूचित किया गया है, प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण की जांच यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 तथा 8 के अनुसार की जाए। प्राधिकारी नोट करता है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित प्रावधान है:-

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था देशों से होने वाले आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था के तीसरे देश में मौजूद कीमत तथा संरचित मूल्य अथवा अन्य देशों को तीसरे देश से निर्यात कीमत के आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत शामिल है अथवा जहां यह संभव नहीं हो अथवा किसी अन्य यथोचित आधार पर, जिसमें समान उत्पाद के लिए भारत में दिए गए अथवा देय कीमत शामिल है और जिसमें यदि आवश्यक हो, यथोचित लाभ मार्जिन को शामिल करते हुए विधिवत् समायोजन किया गया हो....."

इसके अलावा, उपर्युक्त नियमावली (यथा संशोधित) के अनुबंध 1 के पैरा 8 में यह प्रावधान है कि:

"8(1) " गैर बाजार अर्थव्यवस्था देश " शब्दों का आशय किसी ऐसे देश से है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत निर्धारण ढांचे के बाजार सिद्धांतों पर कार्य नहीं करने वाले के रूप में समझे ताकि ऐसे देश में व्यापार बिक्रियां उप पैरा 3 में विनिर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार व्यापार का उचित मूल्य परिलक्षित हो ।

(2) ऐसा अनुमान होगा कि कोई ऐसा देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा जांच से पहले तीन वर्षों की अवधि के दौरान किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश निर्धारित करने का प्रस्ताव हो अथवा किया गया हो, वह एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश होगा ।

किंतु बशर्ते ऐसा गैर बाजार अर्थव्यवस्था देश अथवा ऐसे देश की संबंधित फर्मों ऐसे अनुमान का खंडन निर्दिष्ट प्राधिकारी को जानकारी तथा साक्ष्य प्रदान करके कर सकती हैं जो इस बात को सिद्ध कर दे कि ऐसा देश उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश नहीं है ।

26. प्राधिकारी नोट करता है कि निर्यातक ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा.8 के उप पैरा 3 में उल्लिखित आवश्यक जानकारी/साक्ष्य प्रस्तुत कर दिया है जिससे निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर इस बात के लिए विचार कर सकता है कि:

क) कीमतों, लागतों तथा कच्चे माल सहित निविष्टियों, प्रौद्योगिकी तथा श्रम लागत, उत्पादन बिक्रियों तथा पूंजी निवेश के संबंध में ऐसे देश की संबंधित फर्मों का निर्णय सप्लाई तथा मांग को परिलक्षित करने वाले बाजार संकेतों के प्रत्युत्तर में और इस संबंध में सरकारी हस्तक्षेप के बिना और इस आधार पर किए जाते हैं कि क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से परिलक्षित करते हैं,

ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति विगत गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से प्राप्त पर्याप्त प्रतिबंधों के अध्वधीन होती हैं, विशेष रूप से

परिसंपत्तियों के मूल्य ह्रास अन्य निपटान वस्तु व्यापार तथा ऋण मुआवजे के रूप में भुगतान के संबंध में,

ग) ऐसी फर्मों दीवालियापन तथा संपत्ति कानूनों के अध्यधीन होती हैं जो इन फर्मों के कार्य-चालन के लिए कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देते हैं, और

घ) विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं,

किंतु, बशर्ते जहां कहीं इस पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य द्वारा यह दर्शाया जाता है कि बाजार दशाएं पाटनरोधी जांचों के अध्यधीन ऐसी एक अथवा अधिक फर्मों के लिए विद्यमान हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पैरा में निर्धारित सिद्धांतों की बजाए पैरा 1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू कर सकेगा।

27. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या उत्पादक/निर्यातक सरकारी नियंत्रण से मुक्त है अथवा नहीं, प्राधिकारी ने निम्नलिखित जांच की:

i) क्या प्रतिवादी अपनी बिक्रियों तथा खरीद कार्यकलापों में सरकारी नियंत्रण के अध्यधीन है,

ii) क्या निर्यात कीमत का निर्धारण किसी सरकारी प्राधिकारी के अनुमोदन से किया गया अथवा उसके अध्यधीन है।

iii) क्या प्रतिवादी को संविदाओं तथा अन्य करारों पर बातचीत करने का अथवा हस्ताक्षर करने का प्राधिकार प्राप्त है,

iv) अंत में, क्या प्रतिवादी निर्यात बिक्रियों की वसूली अपने पास रखता है और लाभ अथवा हानि के निपटान के संबंध में स्वतंत्र निर्णय ले सकता है।

28. मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलियान, चीन जन.गण. एक सीमित देयता कंपनी है जिसकी स्थापना चीन जनवादी गणराज्य के कानूनों के तहत की गई है। जांच अवधि के दौरान प्राधिकारी को निर्यात/घरेलू कीमत तथा मात्रा के निर्धारण में सरकारी सहभागिता से संबंधित कोई साक्ष्य नहीं मिला है। इसका प्रबंधन घरेलू तथा निर्यात

2005 GI/2004-8

बिक्री दोनों संविदाओं के निर्धारण में स्वतंत्र पाया गया । सत्यापन दल को प्रबंधन पर कोई नियंत्रण दिखाई नहीं दिया है जो उनके प्रबंधन में चयन के संबंध में सरकारी प्राधिकारियों का कोई हस्तक्षेप दर्शा सके । यह कंपनी यह निर्णय करने के लिए काफी स्वतंत्र पाई गई जो सरकारी अनुमति के बिना अपने राजस्व के प्रयोग के संबंध में हो । जहां तक सरकारी हस्तक्षेप की मौजूदगी का संबंध है, प्राधिकारी ने पाया कि कंपनी की निविष्टि खरीद बिक्री कीमत/लागत आदि के निर्धारण से संबंधित निर्णय सरकारी हस्तक्षेप के बिना किए गए ।

29. दिवालियापन तथा संपदा कानूनों की जांच की गई और पाया गया कि यह कंपनी संपत्ति के अधिग्रहण के लिए स्वतंत्र है । दिवालियापन कानून ऐसी फर्मों पर लागू होता है जहां कोई फर्म दिवालिया हो जाती है और द्रव्यताओं के निपटान संबंधी ब्यौरे दिवालियापन कानून के तहत लागू कानून द्वारा संचालित होते हैं । इस कंपनी के स्वामित्व में भूमि, भवन तथा मशीनें हैं जिनका प्रयोग, उत्पादन तथा वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए किया जाता है । चीन के कानूनों में संपत्ति स्वामित्व को संरक्षण दिया गया है । स्वाभाविक तथा कानूनी लोगों के पास अपनी संपत्ति खरीदने, उपयोग करने, उससे लाभ कमाने तथा उसके निपटान के लिए कानून द्वारा अधिकार प्राप्त है ।

30. विनिमय दर परिवर्तन की उनकी बही खातों से पड़ताल की गई और पाया गया कि निर्यात लेन-देनों का परिवर्तन चीन की मुद्रा में लेन-देन की तारीख को मौजूद विनिमय दर के अनुसार किया गया । सत्यापन दौरे में निर्यात बीजकों की यह देखने के लिए पड़ताल की गई कि क्या प्राप्त राशियों को उनके बही खातों में जमा कर दिया गया है । प्राधिकारी ने पाया कि मुद्रा परिवर्तन मौजूदा दर पर किए गए हैं जोकि स्थिर हैं ।

31. यह पाया गया कि कंपनी कच्चे माल, ईंधन तथा अन्य माल चीन में अथवा किसी ऐसे अन्य स्रोत से खरीदने के लिए मुक्त है जो विश्व के किसी अन्य भाग से प्राप्त किए गए हों । इस समय कंपनी सभी कच्चे माल की खरीद स्थानीय रूप से उपलब्ध चीन में ही करती है । आगे यह भी देखा गया है कि उन्होंने कच्चे माल की खरीद मौजूद बाजार कीमतों पर अन्य स्रोतों पर अलग-अलग दरों पर की है । कच्चे माल के मूल्य निर्धारण तथा लागत की जांच के आधार पर प्राधिकारी की राय है कि कंपनी की उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति से कच्चे माल की खरीद अथवा उत्पादन नीति के संबंध में कोई सरकारी व्यवधान अथवा नियंत्रण परिलक्षित नहीं होता है ।

32. बिजली की सप्लाई गुआंगडोंग इलैक्ट्रिसिटी ग्रुप कंपनी की फोशान शाखा की बिजली कंपनी द्वारा की जाती है जो सरकारी प्राधिकारियों के स्वामित्व में है और इसका प्रशुल्क का कंपनी द्वारा भुगतान मौजूदा प्रशुल्क दरों पर किया जाता है। जल आपूर्ति फोशान वाटर सप्लाई जनरल कं० लिमि० नामक कंपनी द्वारा की जाती है जो सरकारी प्राधिकारियों के स्वामित्व में है। विद्युत तथा जल प्रभार खपत पैटर्न के अनुसार और मौजूदा कीमतों के आधार पर वसूल किए जाते हैं जो संबंधित विद्युत/जल आपूर्ति कं० द्वारा लिए जाते हैं। बीजकों से यह प्रदर्शित होता है कि इनके लिए, लिए गए प्रभार यथोचित प्रतीत होते हैं।

33. रोजगार संबंधी सभी निर्णय कंपनी द्वारा लिए गए पाए गए हैं। कर्मचारियों को किराए पर लेने और अलग-अलग श्रमिक वर्गों को औसत वेतन देने के संबंध में कंपनी को पूर्ण स्वतंत्रता है। चीन की सरकार आवास, चिकित्सा आदि जैसे लाभ प्रदान नहीं करती है किंतु कंपनी आवास मुहैया कराती है और उसकी लागत बही खातों में खर्चों के रूप में परिलक्षित है।

34. घरेलू बाजार में संबद्ध माल की घरेलू बिक्रियां काफी मात्रा में की गई हैं। बिक्री कीमत/मात्रा के निर्धारण में सरकारी हस्तक्षेप का साक्ष्य नहीं पाया गया। यह पाया गया कि घरेलू बाजार में बिक्रियां अलग-अलग ग्राहकों को अलग-अलग कीमतों पर की गई हैं और ऐसे सभी निर्णय विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक आधार पर किए जाते हैं। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि घरेलू अथवा व्यापार के लिए कोई कीमत सूची निर्धारित नहीं की गई है क्योंकि उनमें अलग-अलग ग्राहकों के अनुसार परिवर्तन आता रहता है और जो बाजार में मांग तथा पूर्ति स्थिति के आधार पर परिलक्षित होती है। उनके रिकॉर्ड से यह पाया गया कि कंपनी ने अलग-अलग ग्राहकों को अलग-अलग दर तथा मात्रा के हिसाब से बिक्री की है।

35. कंपनी की लेखा बहियां तथा रिकॉर्ड मंदरिन में रखे जाते हैं और आंकड़ों को रेनमिन (आरएमबी) में प्रदर्शित किया जाता है। लेखा-मानकों तथा नियमों का निर्धारण चीन जनवादी गणराज्य के वित्त मंत्रालय द्वारा किया जाता है। कंपनी मासिक लेखाओं को तैयार करती है जिसमें लाभ तथा हानि लेखा तथा तुलन-पत्र शामिल हैं। इन मासिक लेखाओं को टैक्स ब्यूरो को टैक्स विवरणी के भाग के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

36. कंपनी की सभी परिसंपत्तियों को विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक आधार पर खुले बाजार से प्राप्त किया गया है। किसी भी परिसंपत्ति को सरकार द्वारा अथवा किसी अन्य तीसरी कंपनी द्वारा वाणिज्यिक सिद्धांतों से इतर मुफ्त नहीं दिया गया है। प्राधिकारी को ऋण अथवा विद्युत आपूर्ति के रूप में उपदान योजना का कोई साक्ष्य नहीं मिला है जिसका लाभ कंपनी को उपलब्ध है।

37. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा-8(3) के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के मुद्दे पर नए पोतवणिक द्वारा प्रस्तुत जानकारी को देखते हुए और यह प्रदर्शित कर सकने पर कि उत्पादक संबद्ध माल की लागत/कीमतें बाजार शक्तियों के अनुसार कार्य करती हैं, प्राधिकारी इसे इस व्यक्तिगत निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था में कार्य करने जैसा व्यवहार दिए जाने हेतु उपयुक्त समझता है। यह कंपनी प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए यह दर्शा सकी कि उत्पादन, विपणन तथा कीमत निर्धारण के संबंध में प्रबंधन तथा नियंत्रण कंपनी के प्रबंध मंडल के हाथ में है जो सरकारी हस्तक्षेप से काफी मुक्त है। उपर्युक्त जांच को देखते हुए यह समझा गया कि उत्पादक को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जाए और सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 1 से 6 के अनुसार किया जाए।

च. सामान्य मूल्य का आकलन, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन का निर्धारण

सामान्य मूल्य

38. धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- (i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो, या
- (ii) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की समुचित तुलना नहीं हो सकती हो, तो सामान्य मूल्य या तो:

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किये जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य, या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत जिसमें प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि की गई हो ।

39. प्राधिकारी ने सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क(1) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ मै0 नन्हाई चीन जन.गण. शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रक्शन कं0 लि0 चीन जन.गण. (उत्पादक) और मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यूएई (निर्यातक) को निर्यातक प्रश्नावली भेजी । इस प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में नए पोतवणिक ने निर्यातक प्रश्नावली में जानकारी प्रस्तुत की । यह कंपनी घरेलू बाजार में संबद्ध माल के इसी प्रकार के आकारों की सभी तुलनीय किस्मों की बिक्री करती है जिनका भारत को भी निर्यात किया गया है । उन्होंने संबद्ध माल के तीन आकारों का निर्यात किया है और अपने गृह बाजार में घरेलू बिक्रियों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की है । समान उत्पाद के लिए सामान्य व्यापार प्रक्रिया में संबद्ध माल की घरेलू बिक्रियों की तुलनीय कीमत धारा 9 क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य है । उन्होंने उन सभी तीनों आकारों की उत्पादन लागत के आंकड़े भी प्रस्तुत किए हैं जिनका जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात किया गया है । सौदे-वार घरेलू बिक्रियों की पड़ताल मौके पर सत्यापन के दौरान उनके रिकॉर्ड से की गई । उत्पादन लागत की पहलुवार पड़ताल की गई और उनका मिलान कंपनी के पास उपलब्ध रिकॉर्ड में लेखा-बहियों से किया गया । कंपनी के लाभ तथा हानि खाते के विश्लेषण से यह मालूम होता है कि कंपनी को जांच अवधि तथा कैलेंडर वर्ष के दौरान संबद्ध माल की बिक्री में समग्र लाभ हुआ है । घरेलू बिक्रियों पर आधारित सामान्य मूल्य का निर्धारण प्रति एकक लागत (80/20 परीक्षण को लागू करते हुए) से अधिक बिक्री मात्रा को ध्यान में रखने के बाद किया गया है ताकि यह निर्धारण हो जाए कि ये बिक्रियां सामान्य व्यापार प्रक्रिया में की गई हैं ।

40. कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध माल के तीन आकारों का निर्यात किया है । संबद्ध माल के आकार-वार कारखानागत सामान्य मूल्य का आंकलन *** , *** , और *** अमरीकी डालर प्रति वर्गमीटर के हिसाब से किया गया।

2005 GI/2004-19

निर्यात कीमत

41. प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में निर्यातक ने परिशिष्ट 2 में जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यात के बीजक-वार/आकार-वार ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। निर्यातक ने इसके सबूत के बतौर बीजकों की प्रतिलिपियां भी प्रस्तुत की हैं। बैंक-प्रभारों, भंडारण, परिवहन के संबंध में परिशिष्ट 4 में निर्यातक द्वारा दावे किए गए समायोजन पर विचार विधिवत् पड़ताल करने के पश्चात किया गया और उसकी अनुमति भारत को कारखानागत निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए प्रदान की गई।

42. मै0 निटको टाइल्स, मुंबई के साथ प्रैस्टिज(निर्यातक) की मार्फत मै0 नन्हाई (उत्पादक) के अनन्य बिक्री प्रबंध की जांच की गई और पाया गया कि इस निर्यातक ने संबद्ध माल की पर्याप्त मात्रा भारत को निर्यात की है। प्राधिकारी नोट करता है कि आयातक के साथ निर्यातक की मार्फत उत्पादक के अनन्य बिक्री प्रबंध एक कथित तथ्य है जिसकी उनके रिकॉर्ड से पड़ताल की गई।

43. कारखानागत निर्यात कीमत की गणना समायोजनों पर सत्यापित आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए की गई है। इस संबंध में मै0 प्रैस्टिज, यूएई को मै0 नन्हाई, चीन जन.गण. से संबंधित और अंत में भारतीय ग्राहकों को मै0 प्रैस्टिज, यूएई के बीजकों के संबंध में पड़ताल की गई और उनका मिलान उनके दावे के समायोजनों के साथ किया गया। जांच के दौरान यह पाया गया कि माल का पोत-लदान चीन से सीधे ही किया गया जबकि बीजक मै0 नन्हाई चीन जन.गण. से मै0 प्रैस्टिज, यूएई को और मै0 प्रैस्टिज, यूएई को भारतीय ग्राहकों को भेजने के बाद प्राप्त किए गए। उनके समायोजनों के ब्यौरों की पड़ताल की गई और उनका मिलान पड़ताल के दौरान कंपनी के पास उपलब्ध रिकॉर्ड से किया गया।

44. संबद्ध माल की आकार-वार कारखानागत निर्यात कीमत जांच अवधि के दौरान ***, ***, ***, अमरीकी डालर प्रति वर्गमीटर बैठती है।

पाटन मार्जिन

45. जैसाकि ऊपर ब्यौरा दिया गया है, विट्रिफाइड पोर्सलेन टाइलों का सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। यह पाया गया है

कि निर्यातक ने संबद्ध माल का निर्यात सामान्य मूल्य से अधिक मूल्य पर किया है अतः भारत औसत पाटन मार्जिन का आकलन -5.72% पर किया गया है।

छ. प्राधिकारी के अंतिम जांच परिणाम तथा सिफारिशें

46. उपर्युक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:

i) मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रैक्शन कंपनी लि0, चीन जन.गण. (जिसे अब फोशान आउलियान कंस्ट्रैक्शन सिरामिक लि0 के नाम से जाना जाता है) द्वारा उत्पादित और मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यूएई की मारफत भारत को निर्यातित विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों की निर्यात कीमत जांच अवधि के दौरान उसके सामान्य मूल्य से ऊपर रही है।

ii) अतः प्राधिकारी यह सिफारिश देता है कि मै0 नन्हाई शांगीयुआन आउलिन कंस्ट्रैक्शन कंपनी लि0, चीन जन.गण. (जिसे अब फोशान आउलियान कंस्ट्रैक्शन सिरामिक लि0 के नाम से जाना जाता है) द्वारा उत्पादित और मै0 प्रैस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई, यूएई से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 69 के तहत आने वाली विट्रिफाइड/पोर्सलेन टाइलों के आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाए।

iii) इस आदेश के विरुद्ध कोई भी अपील सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्यायाधीकरण में उक्त आदेश के अनुसार की जा सकेगी।

अभिजित सेनगुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NEW SHIPPER REVIEW NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th June, 2004

FINAL FINDINGS

Subject : New Shipper Review of Anti-Dumping duty imposed on imports of Vitrified/Porcelain Tiles requested by M/s. Nanhai Shagyuuan Oulin Construction Co. Ltd., China PR (Producer) and M/s. Prestige General Trading, Dubai, UAE (Exporter).

No. 15/2/2003-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof,

A. PROCEDURE:-

1. The procedure described below has been followed:

(i) The Designated Authority initiated New Shipper Review of anti-dumping duty imposed on Vitrified/porcelain Tiles produced by M/s. Nanhai Shagyuuan Oulin Construction Co., Ltd., China PR and exported by M/s. Prestige General Trading, UAE prescribed under Rule 22 of the rules supra, vide notification No. 15/2/2003-DGAD, dated the 23rd May 2003.

(ii) The New Shipper Review was initiated vide notification No. 15/2/2003-DGAD, dated the 23rd May 2003 in the matter of import of Vitrified/porcelain tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China PR where the Designated Authority vide its Final Findings No 37/1/2001 published in the Gazette of India Extraordinary, Part I Section I, dated the 4th February 2003 had come to the conclusion that;

(a) The export price of Vitrified/porcelain tiles from UAE and China PR is below its normal value during the period of investigation;

(b) The Indian industry has suffered material injury;

(c) The injury has been caused cumulatively by the imports from subject countries;

(iii) The Central Government imposed antidumping duty vide Notification No. 73/2003-Customs, dated 1st May 2003, in the original investigation on vitrified and porcelain tiles, other than vitrified industrial tiles, falling under Chapter 69 of Customs Tariff Act, with effect from the date of imposition of the provisional anti dumping duty i.e., 2nd May 2002.

(iv) As stated above M/s. Nanhai Shagyuan Oulin Construction Co. Ltd., China PR (Producer) with M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE (Exporter), had requested for a review in terms of Rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping duty on dumped articles and for Determination of Injury) Rules 1995 in respect of exports being made with respect to the Final Findings Notification No. 37/1/2001-DGAD dated the 4th February 2003 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section I, the Authority initiated the review on 23rd May 2003 and recommended provisional assessment of all exports of Vitrified/porcelain Tiles falling under chapter 69 of Gazette schedule to the Customs Tariff Act, 1975 made by M/s. Nanhai Shagyuan Oulin Construction Co. Ltd., China PR (Producer) through M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE (Exporter), as fixed definitive duty mentioned in Col. No. 3 till the completion of the review.

(v) Ministry of Finance issued Notification No. 98/2003-Customs, dated 1st July 2003, which inter-alia provided that pending the outcome of the review by the Designated Authority, vitrified/porcelain tiles, other than vitrified industrial tiles, falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act produced by M/s Nanhai, Shagyuan Oulin Construction Co., Ltd., China PR and exported by M/s. Prestige General Trading, UAE would be subjected to provisional assessment till the review was completed.

(vi) Further, in exercise of the powers conferred under sub-rule (2) of the Rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping duty on dumped articles and for Determination of Injury) Rules 1995, the Central Government after considering the aforesaid findings of the Designated Authority, and its notification no.73/2003-Customs dated 1st May 2003 decided that pending the outcome of the said reviews by the Designated Authority, no anti dumping duty shall be levied on exports of Vitrified/porcelain Tiles manufactured by M/s. Nanhai Shagyuan Oulin Construction Co., Ltd., China PR and exported by M/s. Prestige General Trading, UAE when imported into India & further provided that Vitrified/porcelain Tiles produced by M/s. Nanhai Shagyuan Oulin Construction Co., Ltd., China PR and exported by M/s. Prestige General Trading, UAE when imported into India shall be subjected to provisional

2005 9/2004-10

assessment and a guarantee for the amount of duty calculated at the rate as mentioned in Col. No. 3 on imports of Vitrified/porcelain Tiles vide notification no73/2003-Customs, dated 1st May 2003.

(vii) The Authority received a request to initiate a 'new Shipper' review of notification no 37/1/2001 dated 4th February, 2003 from the Chinese producer M/s. Nanhai Shagyuan Oulin Construction Co. Ltd., China PR. This company declared that they are not related to any of the exporters/producers in China PR subject to the anti dumping measures in force with regard to the product concerned. Furthermore, it declared that have not exported the product concerned during the original period of investigation. The Authority prima-facie examined the evidence submitted by the Chinese producer concerned and considered sufficient to justify the initiation of a review in accordance with the provisions of the Rule 22 of Anti-dumping Rules.

(viii) The product under consideration covered by the current review is the same as in the original investigation, i.e. '*Vitrified/Porcelain Tiles*'.

(ix) The authority sent exporters questionnaire. The exporter filed the questionnaire. The authority sought and verified all information it deemed necessary for the purpose of determination of dumping. The Authority conducted verification of the data furnished by M/s. Nanhai Shagyuan Oulin Construction Co. Ltd., China PR (Producer), M/s. Prestige General Trading, Dubai, UAE (Exporter) and M/s. Nitco Tiles Ltd., (importer).

(x) The period of investigation in this new shipper investigation is for 12 months i.e., 1st July 2002 to 30th June 2003 for dumping determination.

(xi) The authority officially intimated the authorities of the exporting country of the initiation of the New Shipper Review and gave opportunity to all the interested parties concerned to make their views known in writing within 40 days from the expiry of the POI (i.e., 1st July 2002 to 30th June 2003). Subsequently the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views verbally, in a public hearing held 17th February 2004. All the interested parties expressed their views verbally were requested to file written submissions of the views expressed.

(xii) The Authority made available the public file as per Rule 6(7) to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request.

(xiii) In accordance with Rule 16 of the anti dumping Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed on 28/5/2004 to interested parties responded in this investigation and comments received on the same have been duly considered in these findings at appropriate places.

(xiv) **** in the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the Rules.

B. Product Under Consideration and Like Article:-

2. The Authority decided to continue with the description of product under consideration as Vitrified/Porcelain tiles as determined in the original case. There is no argument on the product under consideration and like article by any of the interested parties. The Authority notes that the Vitrified/porcelain Tiles produced by the domestic industry is 'like article' to Vitrified/porcelain Tiles being imported from the subject country within the meaning of the Rules. In view of the foregoing the Authority holds that product under consideration in the present investigations is the same as considered in the original investigation i.e., "Vitrified/Porcelain Tiles", classifiable under Chapter 69 of the Custom Tariff Act.

C. Views expressed at/after initiation and their examination

C-I. Views of Domestic Industry

3. The issues raised by the domestic industry have been summarized below;

i) The response filed by the exporter and the producer are deficient and therefore the proceedings may be terminated.

ii) The Designated Authority has received the information from the exporter M/s. Prestige General Trading, UAE first time on 27.1.2004 and subsequently revised on 11.2.2004. The exporter has not approached the Authority directly or indirectly prior to the date mentioned above. The information filed by the said exporter cannot be taken cognizance of at this late stage of investigation when they did not even file the application for the review.

iii) Prestige did not come forward to make an application for the New Shipper review makes the entire initiation incorrect and bad in law.

iv) The Designated Authority erred in treating Prestige as a new and independent exporter and in granting exemption to them when they did not have any applications or information on record from or about the said exporter.

v) Responses filed by Prestige are grossly deficient and need to be thoroughly investigated. The examination of the responses of Prestige reveals the following:

- a) The said documents are without any date.
 - b) None of the documents bear the signature of the sole proprietor.
 - c) Name of the sole proprietor has been kept confidential.
 - d) Copy of the commercial licensee not provided in the non-confidential version.
 - e) Prestige has not supplied their Balance Sheet, Profit and Loss Account or the Trading Account as required in the prescribed questionnaire.
 - f) The covering letter, authorization letter and verification letter have the signature of the investor, Mr. Ashish Shah. No authorization letter has been given by the proprietor.
 - g) Each document mentions that the same has been issued by the investor. The Designated Authority has taken on record these documents at this late stage without even examining the prima facie validity of the same.
 - h) The present letter head of the exporter is entirely different from the used for signing of purchase contract which bears the logo of Prestige. The letter head used for the purchase order and the letter head used for sending the exporter questionnaire bear different Post Box and Telephone nos.
 - i) The net result is that Prestige was exempted from payment of anti-dumping duties without their making any request or identifying its credentials. In fact, until the exemption from anti-dumping duties, Prestige did not make an application nor did it authorize any person to seek exemption on their behalf. The authorized representative of Nanhai also did not make any claim till the issue of customs notification that they were representing Prestige as well. Yet, the Central Government on the recommendations of the Designated anti-dumping duties Authority exempted Prestige from the purview of anti-dumping duties.
- vi) M/s. Prestige, UAE has made a declaration that it has no borrowings from any Bank or any other entity. However, all the documents has been signed by the Manager having a seal indicating signature of the investor.
- vii) The Post Box No./Tel. No. and FAX No. appearing on the letter head of Prestige is also the Post Box No./Tel. No. for the other companies,

therefore the declaration that they are not related to companies in other countries including India appears to be misleading.

viii) The non-filing of an application/declaration by Prestige would establish that the initiation of new shipper review itself is bad in law and unsustainable as the same is contrary to the requirement led down in Rule 22.

ix) In the facts of this case Rule 22 has been invoked for a combination of Nanhai (Producer) and Prestige (Exporter) and therefore it was incumbent upon both the producer and the exporter to have made the necessary application and declarations, follow the prescribed procedure and provide all the required information. Since, this has not been done prior to the initiation, the condition precedent was not satisfied.

x) M/s Prestige General Trading, UAE has made a false and misleading declaration to the office of Designated Authority that they are not involved in any manufacturing activity. M/s Prestige General Trading, UAE has been involved in manufacturing activities since the year 1992 and holds to be the leading manufacturer of undergarments in the U.A.E. and is also engaged in exporting the same to various countries.

xi) The Designated Authority would be in a position to determine individual dumping margin only if the exporter makes application/declarations, follows the prescribed procedure and provides all the required information. Similarly, in case of a producer-exporter combination, the Designated Authority would be in a position to determine the individual dumping margin only if both the producer as well as the exporter make the necessary application/declarations, follow the prescribed procedure and provide all the required information strictly as per prescribed form and format.

xii) The response does not have any signature of the company's authorized representative. In terms of the prescribed format, the response has to be signed and certified by the Chief Executive or the Director of the company or their Authorized Representative. These requirements must be fulfilled particularly in view of the fact that both the producer as well as the exporter has not been forthright in providing full and complete information as required under the Rules.

2005-572004-11

xiii) The Designated Authority has to satisfy itself and examine the evidence produced by the Exporter or the Producer that they are not related to any of the Exporters or the Producers in the exporting country which are subject to the anti-dumping duty. It is submitted that this investigation ought to have been carried out even more carefully when the Producer is in one country and the Exporter is in another country and the margin of dumping fixed under a Notification is different for each country. This investigation is critical when the margin of dumping fixed under a Notification is different for each country because at the stage of the application, the Designated Authority will not be able to ascertain as to what level of anti-dumping margin ought to be imposed i.e., which of the margins originally imposed should be retained for the individual producer or exporter.

xiv) The issues raised by the domestic industry with regard to Exporter Questionnaire response filed by M/s. Nanhai Shagyuan Oulin Construction Co., Ltd., China PR have been summarized below;

- a) The revised response does not have any verification certificate. The response does not have any signature of the Company's authorized representative.
- b) Month-wise total sales quantity and net sales revenues for the period of investigation..
- c) Investment details have not been provided as required in response to Question No. D-1 in the format prescribed therein.
- d) The Co. has not appraised the Designated Authority about the costing system followed by them.
- e) Information on production process has not been provided even to the Designated Authority.
- f) No information has been provided with regard to the relationship and arrangement for materials purchase.
- g) There is no indication of any interest or financial cost in Appendix A or in 8 A, B and C.

- h) No explanation has been provided to the DA with regard to basis of apportionment in response to Q. No. G.1.(J)
- i) No information has been provided for capacity, opening stock and closing stock.
- j) The Co. has not fulfilled its obligation by provided the Balance Sheet and other financial statement for the period of investigation.
- k) Investment details have not been provided as required in response to Question No. D.1 in the format prescribed therein. In fact, Nanhai has itself admitted that they are separate figures for the product under consideration is not available. Kind attention is invited to Appendix 7 on page 31 wherein Nanhai makes a categorical statement that "The Company maintains separate records for its Porcelain Tiles, the product under consideration. The allocation or apportionment of expenditure is therefore not applicable." The two positions are therefore totally contrary to each other and appear to have been made to mislead the Hon'ble Designated Authority.
- l) No information has been provided regarding investments in response to Question No. E 9. It is submitted that the company is under an obligation to apprise the Designated Authority of all the costing systems they follow. It is obvious that the company has deliberately withheld most pertinent information regarding standard/budget costs, direct and indirect cost centres, activity conducted at each centre, methodology used to allocate and apportion costs among different cost centres and system of accounting of by-products, wastage, scrap, damaged or sub-standard goods etc. It is surprising that how the company can claim separate dumping margin when they are not having any system to reflect the true cost of the product under consideration. It is also clear that the costs stated by the company are not as per Chinese GAAP, even though an unsubstantiated claim has been made by them.
- xv) Appendix 2 of Nanhai's response states that there are 77 transactions whereas in their response, Prestige has claimed that there were 72 transactions during the period of investigation.

xvi) Appendix 3 is grossly incomplete apparently even in the confidential version. Most of the columns have been left blank. No month-wise information has been provided as required in response to Q. No. B.9.

xvii) Appendix 5 and 6 have been left blank. We are not sure whether any information has been provided to the Designated Authority or not. The Hon'ble Designated Authority may please clarify this urgently.

xviii) It is clear from the questionnaire response that Nanhai produces other types of tiles as well. It has not been clarified as to how the fixed overheads are being apportioned to different types and sizes of tiles.

xix) Nanhai has combined Appendices 8, 8A, B and C which is totally irregular. Appendix 8 is required to be given for the period of investigation and for the previous year which has not been done. No information has been given for the Installed Capacity. Further, the company has on its own changed the format.

xx) As regards Appendices 8A, B and C, it is submitted that the same have been given for only size i.e., 600 X 600, which is again irregular and misleading. Here, again the company has on its own changed the format without giving any reason whatsoever. It may also be submitted that Appendices 8, 8A, B and C have not been certified by a practicing Accountant, as required in the prescribed format.

C-II. Views of M/s. Nanhai Shangyuan Oulian Construction Porcelain Co Ltd., China PR (producer)

i). The Company was established on 15th December, 2000. The Business License certificate shows that the Company was incorporated on 15th December, 2000 as a Limited Liability Company. The Company follows the calendar year as its financial year. The name of the Company is now changed to Foshan Chancharg Oulian Construction Porcelain Ltd., with effect from 10th May 2004. There was no production or sale of vitrified tiles from the date of incorporation i.e., 15th December, 2000 to the year ended 31st December, 2001. An existing ceramic line was converted into a vitrified line in April 2002. Thus, till December 2001 the Company had not even produced vitrified tiles and hence it is established that vitrified tiles had not been exported to India during the original period of investigation i.e., 1st April, 2000 to 31st March, 2001. From April 2002, the company started

producing vitrified tiles also using assembly lines of the same existing production facilities.

ii). M/s Nanhai, Shangyuan Oulian Construction Porcelain Co Ltd is a limited Liability company. The shareholders of the company are not related to any other company engaged in the production and sale of the subject goods, either in China or in any other country.

iii). The company has only one factory for the Vitrified/Porcelain Tiles and the government does not provide any export incentive to the company. The Company does not have any subsidiaries or other related companies in other countries including India.

iv). All sales by the company are on Principal to Principal basis and no agency arrangement is involved. Exports to India are made as per the contract entered into by the company with M/s. Prestige General Trading, Dubai. The goods sold in the home market and goods exported to India are identical.

C.III Views of M/s. Prestige General Trading, UAE, (exporter)

i) M/s Prestige General Trading, UAE General Trading is a registered company having Commercial License issued by the Department of Economic Development, United Arab Emirates. It is not related to M/s. Nanhai Shangyuan Oulian Construction Porcelains Co Ltd China. M/s Prestige General Trading, UAE General Trading has not exported the subject goods from China during the period of investigation of the principal Anti-dumping investigation conducted by the Indian Designated Authority. The company is not engaged in production activities and is involved only in trading. There are no incentives of any kind given by the Government of UAE on any exports carried out by the firm. The company does not have any related companies in other countries including India.

ii). The Company had entered into an arrangement with M/s. Nanhai Shangyuan Oulian Construction Porcelains Company Limited, Foshan, China PR. Simultaneously, the company entered into an exclusive sales arrangement with M/s. Nitco Tiles Ltd., India for sale of the entire quantity of vitrified/ porcelain tiles that were to be procured from the said Chinese Company. The shipments directly take place from Foshan, China, PR to Mumbai and there is no transshipment/unloading/handling at Dubai.

2005 9/2004-12

iii). The company is engaged in the business of Imports & Exports of Marble, Granite, Metals (Ferrous & Non-Ferrous), Electronic Products, Household Utensils, Bearing, Chemicals & Pharmaceuticals etc. from India, UK, CIS, Singapore & Middle East etc.

C.IV. EXAMINATION BY THE AUTHORITY:

4. The Designated Authority initiated new shipper review keeping in view the provisions of the anti dumping rules, which are reproduced below:

“Rule 22: (1) If a product is subject to anti-dumping duties, the designated authority shall carry out a periodical review for the purpose of determining individual margins of dumping for any exporters or producers in the exporting country in question who have not exported the product to India during the period of investigation, provided that these exporters or producers show that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to the anti dumping duties on the product.

(2) The Central Government shall not levy anti dumping duties under sub-section (1) of section 9A of the Act, on imports from such exporters or producers during the period of review as referred to in sub-rule (1) of this rule:

Provided that the Central Government may resort to provisional assessment and may ask a guarantee form the importer if the designated authority so recommends and if such a review results in a determination of dumping in respect of such products or exporters, it may levy duty in such cases retrospectively from the date of initiation of the review”.

Rule 22 clearly specifies the circumstances under which a new shipper investigation can be carried out for the purpose of calculating individual dumping margin. Individual dumping margin in respect of any exporter or producer from the exporting country in question can be determined provided the two conditions are satisfied. These are: (a) that the exporter or producer has not exported the product under consideration during the period of investigation and, (b) that exporter or producer shows that they are not related to any of the exporter or producer in the exporting country who are subject to the anti dumping duties on the product concerned. The Designated Authority in the present case finds that the exporter or producer has not exported the product under consideration during the period of

investigation as production of Vitrified/porcelain tiles was started in April, 2002 much after the period of investigation and declared that they are not related to any of the exporter or producer in the exporting country who are subject to the anti dumping duties. During the investigation the Authority did not find any evidence of relationship with any of the exporters and producers in China PR who are subjected to anti-dumping duty. The Authority, therefore, notes that the New Shipper Review investigation was initiated in line with the provision laid down in Rule 22 of the anti-dumping rules which is in conformity with article 9.5 of the WTO AD Agreement.

5. The initiation of the present new shipper review was challenged before the Hon'ble High Court of Mumbai by M/s. H&R Johnson (India) Ltd. Issues raised above have duly been examined and settled by the Hon'ble Court. In this case, the Hon'ble High Court of Mumbai has held that, *"The basic requirements for initiating the periodic review under Rule 22 are (a) the subject goods or the product must be subject to anti-dumping duty, and (b) the exporters or producers who are seeking determination of individual margin of dumping must not have exported the product or subject goods to India during the period of investigation and they must show that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to the anti-dumping duties on the product. The new shipper who is seeking review, apart from making a declaration in the application that he fulfils the above conditions set out in Rule 22, cannot be expected to adduce any evidence that he had not exported the goods during the period investigation or that he is not related to the exporters in the exporting country who are subject to anti-dumping duty on the product. For prima facie satisfaction though DA is not required to conduct a detailed enquiry before initiating new shipper review, it cannot be said that the statements made by the new shipper must be accepted as gospel truth. It will be open to the DA to look into the evidence collected at the time of original investigation or any other material that is available to him to prima facie ascertain the veracity of the statements made by the new shipper. If there is material evidence to contradict the statements made in the application, then the DA can refuse to initiate the new shipper review. In the present case, on the date of initiation of new shipper review, there was no material on record to show that the statements made by M/s. Nanhai, China PR were not correct. Neither in the petition nor at the time of arguments any material has been produced by the petitioners to show that the declaration made by the new shipper is not correct. In this view of the matter no fault can be found with the order of DA in recommending initiation of new shipper review. In our opinion, there was no requirement under the Rules for the*

DA to ascertain the linkage between the exporter and the producer or any other exporters in UAE before initiating new shipper review. Neither in the petition nor at the time of argument any material has been produced before us to show that was the declaration made by M/s Nanhai, ChinaPR incorrect. Therefore, in the facts of the present case, it cannot be said that there was no prima facie satisfaction on the part of DA before initiating the new shipper review."

6. The Authority notes that the Hon'ble High Court has also held that once a declaration is made by Nanhai, China PR to the effect that the goods produced by them have not been exported during the original period of investigation and that they are not related to the exporters who might have exported the goods to India, then any application or declaration by M/s Prestige General Trading, UAE, who is the exporter of the goods produced by M/s Nanhai Shangyuan Oulian Construction Porcelain Co Ltd China PR is not necessary. The Hon'ble High Court has also noted that the notification issued by the Ministry of Finance is strictly in accordance with Rule 22(2) which states that the Central Government shall not levy anti-dumping duties under sub-section (1) of section 9A of the act on imports from such exporters or producers during the period of review as referred to in sub-rule (i) of the AD Rule.

7. With regard to the issue of non-existence of M/s. Prestige General Trader, UAE, exporter of the subject goods to India in the present investigation, a team of officers verified the information submitted by the exporter at the premises in Dubai. It is observed that M/s. Prestige is a proprietorship company with a commercial license issued by the Department of Economic Development, UAE. The owner of the firm is a national from the UAE and has authorised by a General Power of Attorney, Mr. Ashish Shah, as the authorised signatory for all trade activities. It was also observed that different P.O. Box Nos. given in different submissions before the authority is due to the fact that one PO Box No. represents the address of the proprietor whereas the other PO Box No. represents the address of the authorised signatory. With regard to the relationship of M/s. Prestige General Trader, UAE, and M/s. Nanhai Shangyuan Oulian Construction Porcelain Co Ltd China PR, it was observed that the both the companies are owned by different nationals and have not made any investments in each other activities. M/s. Prestige General Trader, UAE, is not engaged in any production activities. The exporter has submitted the copy of the balance sheet and profit and loss account to the Designated Authority. Although, rule 22 does not prescribe the examination and determination of the above issues

as already settled by the Hon'ble High Court of Mumbai, on the appeal petition filed by the domestic industry, the Authority has examined these issues in detail to ensure that a fair treatment is given to the issues raised by the domestic industry in the present investigation and it is found upon verification that various argument regarding the existence of the exporter at Dubai was not sustainable.

8. With regard to the allegation raised by the domestic industry that M/s. Prestige General Trader, UAE, was exempted from payment of anti dumping duty without making any request or identifying its credentials, the Authority notes that this exemption is granted to the export made by the M/s. Prestige General Trader, UAE of the subject goods if the same is produced by M/s. Nanhai Shagyuan Oulin Construction Co., Ltd., China PR and not on exports of the subject goods produced by the other companies. The objection raised by the domestic industry on the existence of the Company and signatory of the application of M/s. Prestige General Trading, UAE, the Hon'ble High Court has observed that *"once a declaration is made by Nanhai to the effect that goods produced by them have not been exported during the POI and that they are not related to the exporters who might have exported the goods to India, then any application or declaration of Prestige who is the exporter of the goods produced by Nanhai is not necessary. Therefore, for determining the margin of dumping in respect of goods produced by Nanhai, neither the application nor the declaration by Prestige was necessary"*.

9. It is necessary to point out that the proceedings in this present case must be seen in the light of matters raised by a section of domestic industry before the Hon'ble High Court of Mumbai and Hon'ble Supreme Court during the pendency of these procedures. M/s. H&R Johnson (India) Ltd. filed a writ petition in High Court of Mumbai against the initiation of present new shipper review and a stay was granted on the operation of initiation notification dated 23.5.03 and Customs notification dated 1.7.03 pending the hearing and final disposal of the petition by the Hon'ble Court. The Hon'ble High Court vacated the stay on 2.12.03 and directed the Authority that investigation should be carried out expeditiously. The Hon'ble Supreme Court did not grant any stay on the appeal petition filed by the domestic industry against the orders of the High Court and it is still pending in the Supreme Court. After the order dated 20th January, 04 by the Hon'ble Supreme Court, the process of investigation was restarted. Thereafter Exporters' response to the questionnaire was examined and deficiencies were pointed out. In response to these deficiencies, the exporter provided information in the revised exporter questionnaire. Additional information

was also solicited from time to time to facilitate the investigation. Certain anomalies were also noticed with regard to sales quantity and value and the exporter rectified the same. With regard to the observations made by the domestic industry about incomplete exporter questionnaire response, the authority notes that these observations are not based on facts.

10. The argument of the domestic industry is not correct that exporter/producer have been allowed to file completely amended responses much after the period for filing of such responses are over. The producer submitted significant response within the extended time limit. In view of the stay order granted by the Hon'ble High Court of Bombay no further steps were taken in this review case till 20th January, 2004. The Authority notes that after the vacation at stay additional information/clarifications were sought from exporter/producer. Complete information in the new exporter proforma was made available to the designated authority in February, 2004 before the verification was carried out.

11. The domestic industry (vide their letter dated 05/3/2004) contended that the exporter furnished investment details under Para D of the questionnaire for the company as a whole, while giving the allocation details in Appendix 7. The exporter claimed that separate records are being maintained for the product concerned. These two positions were looked into and examined. The Chinese producer has provided details of investments in response to the revised questionnaire on 12.02.2004. In this revised questionnaire, the company has indicated that figures given are for the company as a whole. However, vide their letter dated 26.02.2004 the exporter submitted further information giving details of allocation of expenditure. During the course of the investigation and verification at the plant of the exporter, it was seen that the exporter was earlier producing only Ceramic Tiles on two production lines and converted one of the lines for producing Vitrified/porcelain Tiles in early 2002. On the basis of technical assessment, allocation of expenses relating to fixed assets was therefore done. The examination showed that ****% of the assets are dedicated for Vitrified/porcelain Tiles and rest ****% are for Ceramic Tiles. It was found that allocation of depreciation had been done on similar basis and was informed/clarified in their letter dated 26/2/2004. The Appendix 7 as referred by the domestic industry was submitted by the exporter on 16/8/2003, however subsequently vide their submissions dated 26/2/2004 they informed the ratio of allocation in Appendix 7 which was later on verified. The Authority notes that the allocations as provided under

Appendix 7 were found to be in order after detailed verification at their plant.

12. The issue raised by the domestic industry that the Chinese producer has withheld certain information was also examined. The Authority verified and found that the costs/allocations have been done on consistent and reasonable basis.

13. The information regarding the basis of apportionment, capacities and stocks etc. were submitted before the verification, which were subsequently verified. The information in respect of production process was provided. The exporter provided details in respect of materials purchased which was duly verified. Reasonable interest and financial cost have been apportioned to the product under consideration. The company had claimed confidentiality in respect of its financial statements. Profit & loss account on monthly basis submitted to the Tax Bureau by the producer was submitted before the verification vide their letter dated 26-2-2004 and the same was verified. The purported discrepancies pointed out by the domestic industry in various Appendixes were examined during the verification. The duly examined and reconciled data have been adopted for the purpose these findings.

14. It is argued by the domestic industry that the exporter has kept the vital information confidential depriving the opposing interested parties of the right to challenge the information and make the meaningful submissions to the Authority. However, regarding the information made available to the opposite interested party the Authority has dealt with it as per provisions regarding confidentiality. Rule 7 of the Anti Dumping Rules provides for submission of information by the interested parties on confidential basis subject to the condition laid down therein. The non-confidential summary of the information submitted on a confidential basis is placed in the public file, which is available for the inspection, by all the interested parties in terms of Rule 6 (7) of the Anti Dumping Rules. In this case non-confidential summary of the confidential submissions made is placed in the public file accessible to the interested parties and copies of the same were provided as and when requested.

D. COMMENTS ON DISCLOSURE STATEMENT AND THEIR EXAMINATION

D. I Views of M/s. Murudeshwar Ceramics Ltd.,

15. M/s. Murudeshwar Ceramics was an applicant in the original investigation but has not expressed their views in this New Shipper Review till the disclosure statement. They have now made comments on the disclosure statement of the Authority, as

i) The manufacturing units of Vitrified/Porcelain Tiles in Gujarat are in acute crises due to rampant dumping of Vitrified/Porcelain Tiles from China PR. In the original investigation anti-dumping duty was imposed as US\$ 8.28/Sq. Mtr concerning imports of Vitrified/Porcelain Tiles from China PR.

ii) It is stated that the export price, at which the Vitrified/Porcelain Tiles are exported to India, is quite low in the range of US\$ 2.75 to US\$ 5.90/Sq. Mtr. Therefore imports are coming at price much below US\$ 8.28/Sq. Mtr that is the anti-dumping duty in the original investigation.

iii) Due to the individual dumping determination for the New Shipper, the effect of earlier notification will be nullified and the domestic industry will again suffer material injury caused due to dumping at abnormally low prices by Nanhai/Prestige.

iv) It is relevant to point out that it is possible for the Chinese Exporters to dump several products including Vitrified/Porcelain Tiles at such abnormally low prices is because they receive subsidies/assistance from the State in several forms. It is for this reason that China is treated as non-market economy. It is common knowledge that there are no systems being followed, foreign exchange rate is managed, there is no system of proper accounting/costing etc. Therefore to treat this individual exporter (Nanhai) as operating in market economy conditions without state intervention is totally incorrect and inconsistent with the view taken by most of the countries in the World. The abnormally low export price is due to the state intervention and subsidies, therefore this case may be treated as non-market economy.

v) They have requested that proceedings initiated under this New Shipper Review may be dropped or appropriate anti-dumping duty of US\$ 8.28/Sq. Mtr be levied as in the original case.

vi) M/s. Nanhai (producer) entered into a exclusive sales arrangement with Prestige (exporter), further M/s. Prestige entered into a similar arrangement with M/s. Nitco Tiles, Mumbai. The DGAD has held that

exports from M/s. Nanhai are not a dumped price inspite of abnormally low export price and anti-dumping duty is not proposed to be levied. This situation will lead to monopolise the Tiles business by M/s. Nitco Tiles Ltd.,

D.II Views of M/s. H & R JOHNSON (India) Ltd.,

16. M/s. H & R Johnson has made comments on the disclosure statement of the Authority, as

- i) The Authority was misled in the present investigation and information provided to that effect requires clarification.
- ii) The exporter has claimed number of information as confidential which are not to be claimed confidential. The name of the proprietor has been kept confidential.
- iii) It is also stated that no certificate of verification of the information given in the questionnaire response was available in the public file. Has the Authority considered uncertified information of the exporter and producer for the purpose of the investigation?
- iv) The response to the NME questionnaire of the exporter was not made available.
- v) Even at this stage of the investigations, the information is either misleading or woefully incomplete and cannot be a basis to carve out an exception for the Designated Authority not recommend imposition of duty. It is pertinent to note that the accommodation granted to the exporter/producer in the present cases is unprecedented. We understand that the producer filed the response to revised detailed Non-market economy Questionnaire much after the verification trip to China was over and even the revised questionnaire had been filled erratically and is lacking several important aspects.
- vi) It is submitted that this approach is incomplete contrast to the decision of the Hon'ble CESTAT in the case of Exide Batteries Vs. Designated Authority reported at 2003(155) ELT 35 where the Appellate Tribunal ordered for imposition of duties on certain exporters as applicable to non-market economy only on the ground that the information provided on non-market economy was never verified by the Designated Authority. Further, it is pertinent to note that this view of the Appellate Tribunal has been

2005 97/2004-14

accepted by the office of Hon'ble Designated Authority as no appeal has been filed by the Designated Authority against such a view of the Appellate Tribunal.

D. III EXAMINATION BY THE AUTHORITY

17. The arguments raised by the interested parties regarding granting market economy status to the Chinese producer has been examined by the Authority at appropriate places in these findings. The claim of market economy treatment to Chinese Producer has been examined and analyzed on the basis of verified data of the Chinese company which was provided to the Authority in their exporter submission covering its elements as laid down in para 8(3) of Annexure 1 of AD Rules. M/s Nanhai Shangyuan Oulian Construction Ceramics Co., Ltd., China PR, producer of the subject goods filed the submissions substantiating its claim of MET in their response to the initiation notification. There is no mandatory requirement to file information in the specific format. However the exporter/ producer can make submissions rebutting the presumption under para 8 (3) of Annexure I of AD Rules. The information/ evidence submitted by the exporter/ producer in the submissions contained the relevant information/evidence required to be examined by the Authority for MET. The officers of DGAD conducted the verification at the exporter/ producer' premises only after the basic information/ evidence were made available by the exporter/ producer. During the course of verification visit at the producer's premises the clarification sought by the officers with regard to WTO accession of China was submitted by the exporter/producer after the verification. In this submission the exporter/ producer has tried to further reiterate the submissions filed earlier. No fresh basic evidence/information requiring further verification was submitted by the exporter/producer, after the verification visit.

18. The interested parties have argued that the export price and the cost of production are different from the original investigation. The new shipper investigation determines the individual dumping margin of the company for a different period in respect of the New Shipper, who has requested for its individual assessment as per Rule 22 of the Anti-dumping Rules, without the requirement of any injury analysis. In the original investigation the Authority had examined both the dumping and injury due to the alleged dumped imports from the subject countries for a different period of investigation.

19. The information provided by the exporter and the producer has been verified by the team of officers of DGAD and only verified data have been taken on board in these final findings. Various issues raised by the interested parties in the course of investigation have been duly examined and verified from their records by the verification team.

20. The interested parties have argued that the Chinese exporters are able to dump at such an abnormally low price because they receive subsidies and assistance from state government. The Authority notes that this allegation raised by the interested party is not substantiated.

21. The interested parties in their submissions have stated that in spite of anti-dumping duty on Vitrified/Porcelain Tiles, the Chinese tiles are routed through Malaysia, Indonesia etc. to avoid anti-dumping duty. The Authority notes that this is not a relevant issue to be examined in the new shipper investigations.

22. The submissions made by Gujarat Ceramic Floor Tiles Manufacturers Association on the disclosure statement received from other interested parties, as disclosure statement was not sent to them by DGAD, as Gujarat Ceramic Floor Tiles Manufacturers Association was neither an interested party in the original investigation nor in this new shipper review in accordance with the provisions of AD Rules. Further it is clarified that this Association has never made any submissions during the earlier investigation or this investigation. They are producers of Ceramic tiles which was not the Product Under Consideration in the original investigation, therefore, the Authority notes that this Association does not have the locus-standi as an interested party to make submissions in this investigation. However similar issues raised by other interested parties have been appropriately dealt in these findings.

23. The arguments regarding exclusive sales arrangement with M/s. Nanhai Shangyuan Oulian Construction Porcelain Co Ltd. China PR (producer) through M/s Prestige General Trading, UAE (exporter), with M/s. Nitco Tiles, Mumbai has been examined by the Authority. It has been found that the exporter has exported to India significant volume of the subject goods. The Authority has also examined in detail the sales made by the importer to various parties. It has been observed that these sales have been made to different customers, in different volumes at reasonable profit. The Authority notes that the exclusive arrangement of sales between the producer through exporter with the importer is a stated fact which was

verified from their records by the team of officers from DGAD during the verification visit at respective premises.

E. CLAIM OF MARKET ECONOMY TREATMENT AND ITS EXAMINATION

E.I Views of Domestic Industry

i) The producers from the China did not submit the information in the non market questionnaire. This departure from set standard practice of eliciting information about market or non market, economy status of individual cooperating exporters has lead to a situation where there is no cogent evidence in writing provided by the Nanhai to the effect that although it was based in China, it was conducting its business under market conditions. This departure in practice has resulted in denying us an opportunity to comment on such crucial requirement envisaged under the rules at the time of public hearing.

ii) The present investigation is required to be conducted in accordance with the amended Rules on NME. The exporter must satisfy the Authority regarding its claim of Market Economy Treatment. The non-confidential version of the exporter is grossly inadequate and insufficient to allow any understanding of the substance of information filed by the exporter. China is a Non-Market Economy country and has been treated as such in the original investigations also. In the Note to the notification No. 28/2001-Customs (N.T.), the Republic of China has been listed amongst the non-market economy countries. It is also provided in the said Notification that in view of the changing economic conditions in Russia and in China, where it is shown on the basis of sufficient evidence in writing on the factors specified in the said Notification that market conditions prevail for one or more such firms which are subject to anti dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 of the anti dumping duty rules instead of the principles in paragraph 8 of the said Rules.

E.II Views of M/s. Nanhai Shangyuan Oulian Construction Porcelains Co., Ltd. China PR.

i) The new shipper has claimed market economy treatment (MET) and has submitted evidence to substantiate the same.

ii) Bankruptcy Law of Peoples Republic of China PR has an appropriate legal and regulatory framework for the operation of the firms and the firms can freely declare bankruptcy according to the related laws and regulations.

iii) The major raw materials required for the manufacture of vitrified tiles are available in and around Foshan City which has more than 600 Vitrified/porcelain tiles factories. Company is free to procure the raw materials and other relevant inputs from the open market based on market prices set by demand and supply. No state or local authority has any say, in any manner, in setting the prices or costs of the raw material or the final product. There are no restrictions or conditions, either direct or indirect, on imports of raw materials used but the company never imports any raw materials from abroad.

iv) The utilities are charged at normal rates without any special or subsidized rates. Electricity is being supplied by Foshan Branch of Guangdong Electricity Group Company. Similarly, water is supplied by Foshan Water Supply General Company Ltd. According to Article 35 of the Electricity Law of the People's Republic of China the electricity price shall be based on the principle of uniform policy. From January, 2003 the electricity price is regulated according to the time in which the electricity is consumed. Water and electricity have been charged according to the consumption pattern and the prevailing prices charged by the concerned supply companies.

v) As regard to labour, firms have the freedom to organize and remunerate their labour. The only condition is that the firm has to ensure that the minimum wage levels are guaranteed. All employees have medical and education facilities. The company provides the housing facilities to the workers in the factory. The workers will have salary, overtime; prevent pollution charge, labour protection charge, injury insurance and retirement insurance.

vi) According to the accounting principles in China, the firm has to maintain basic accounting records and the firms have their accounting records audited by independent auditing firms. The normal corporate financial accounting period is from January to December. The accounting practices are in accordance with the Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) of China.

2005 GI/2004-15

vii) The land, buildings and machines are used for the production and commercial purposes. The company owns these facilities. Chinese laws protect property ownership. Natural and legal persons have the right by law to possess, utilize, profit from and dispose of his property. The General Principles of the Civil Law of People's Republic of China stipulates that an owner has rights to lawfully possess, utilize, profit from and dispose of his property. Thus, firms are subject to both bankruptcy and property laws, which guarantee the legal stability and certainty for the operations of business.

viii) The Protocol of Accession of PR China to the WTO exhaustively sets out in its annexes the limited products that are subject to State trading (import and export), Products and Services subject to price controls etc. and how these are to be phased out during the transition period. The said annexes to the Protocol do not indicate vitrified tiles as subject to such price control nor does it contain any of these raw materials or consumables such as cobble stones, dyes and chemicals as being subject to Government control.

ix) China formally accepted the International Monetary Fund convention and became a member of IMF under Article 8 on 1st Dec, 1996, and abolished all restrictions on the current account RMB can be exchanged into major foreign currencies freely under current account ever since. Where a domestic enterprise needs foreign currency for a the current account transaction, it can purchase the foreign currency, according to the market rate, in the designated foreign exchange bank in RMB with relevant valid voucher, as well as make its payment from its foreign exchange account. This means that the subject enterprises of these two cases can purchase foreign currency whenever they need because these companies deal in goods falling under current account transactions.

x) The company has never been involved in barter-trade or counter-trade. The company has never been involved in compensation trade (also known as product buy-back).

xi) Company does not offer credit to its customers except under exceptional circumstances. All export sales are against letters of credit at sight or by way of advance remittance. Company, therefore, has not experienced any bad debts.

xii) As indicated in the audited account, buildings are depreciated over a period of 20 years useful life. The depreciation rate is 4.75% after providing for a residual value of 5%. Machinery and Equipment are depreciated over a useful life of 10 years on straight line basis; after providing for 5% residual value, the annual depreciation rate is 9.5%.

E.III Examination by the Authority

24. In the instance case, China was proposed to be investigated as a non-market economy. Petitioner in the original investigation has alleged China as non-market economy. Therefore, determination of normal value is to be examined in accordance with the Rules relating to non-market economies as contained in Para 7 & 8 of Annexure-1 of Rules.

25. As communicated to the new shipper and to the Embassy of China, the Authority proposed to examine the determination of normal value in the light of Para 7 & 8 of Annexure 1 of anti dumping Rules as amended. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of anti dumping rules, *inter-alia* provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin....."

Further Para 8 of Annexure 1 of the Rules Supra (as amended) provides that:

"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph(3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country,

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).

26. The Authority notes that the exporter has furnished necessary information/ evidence as mentioned in sub Para 3 of the Paragraph 8 of Annexure 1 of anti dumping Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether

- a) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values:
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts:
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.

27. To determine whether the producer/exporter is independent from government control or not, the Authority examined

- i) Whether a respondent is subject to government control in their sales and procurement activities,
- ii) Whether the export price is set by or subject to the approval of a governmental authority,

- iii) Whether the respondent has authority to negotiate and signed contracts and other agreements,
- iv) Whether the respondent has autonomy from the government in making decisions regarding the selection of its management and
- v) Finally whether the respondent retains the proceeds of its export sales and makes independent decisions regarding disposition of profits or financing of losses.

28. M/s. Nanhai Shangyuan Oulian, China PR is a limited liability company incorporated under the Law of People's Republic of China. During the course of investigation the Authority did not find any evidence regarding government participation in finalizing the export/domestic price and quantity. The management was found to be free in finalizing both the domestic and export sales contracts. The verification team also did not find any control on the management to notify any government authorities regarding the selection in their management. The company was found significantly free to decide regarding its use of revenue without taking permission of the State. As regards the existence of state interference, the Authority observed that decision relating to procurement of inputs, finalization of selling price/costs etc. of the company was found free from the State.

29. The bankruptcy and property laws were examined and found that the company is free to acquire property. The bankruptcy law is applicable to a firm when a firm become bankrupt and the details regarding the settlement of the dues is governed by law maintained under bankruptcy law. The company owns land, buildings and machines which were used for the production and commercial purposes. Chinese laws protect property ownership. Natural and legal persons have the right by law to possess, utilize, profit from and dispose of his property.

30. The exchange rate conversions were also verified from their books of accounts and found that the export transactions were converted into the Chinese currency as per the exchange rate prevailing on the date of transaction. During the verification visit the export invoices were verified to see whether the realized amounts are credited into their books of accounts. The Authority observed that exchange conversions have taken place at the existing rate, which is stable.

2005 9/2004-16

31. The company was found to be free to purchase raw materials, fuels and other materials either in China or source it from other parts of the World. Presently the company is buying all raw materials in China itself which is locally available. It is further seen that they have procured the raw materials at varying rates from different sources at prevalent market prices. The Authority, on the basis of examination of the pricing and cost of raw material, is of the view that production cost and financial situation of the company did not show any distortion or State control either in procurement of raw materials or in the production policy.

32. Electricity is supplied by the electric company Foshan Branch of Guangdong Electricity Group Company owned by state authorities and tariff is paid by the company as per the prevailing tariff rates. Water is supplied by company Foshan Water Supply General Company Ltd owned by the state authorities. Electricity and water has been charged according to the consumption pattern and the prevailing prices charged by the concerned electricity/water supply company. Invoices showed that rates charged for these elements of cost appeared to be reasonable.

33. All the employment decisions were found to be taken by the company. There is full freedom to the company with regard to its mode of hiring employees and the average salary paid to the different classes of workers. The Chinese Government does not provide any benefit like housing, medical care etc. however, the company provides accommodation and the cost of the same is reflected in the books of accounts as an expense.

34. There are domestic sales of the subject goods in the domestic market in substantial volume. The evidence of state involvement was not found in determination of sale price/quantities. It was observed that sales in the domestic market have been made to different customers at different prices and all such decisions are taken on purely commercial basis. It was explained by the company that there is no price list either for domestic or export as it varies from customer to customer and reflected on the basis of demand and supply position in the market. It was found from their records that the company has made sales in the domestic market to different customers at varying rates and volume.

35. The books of accounts and records of the company are maintained in mandarin and figures are denoted in Renmin (RMB). The accounting standards and rules are prescribed by Ministry of Finance of People's

Republic of China. The company prepares monthly accounts including profit & loss account and balance sheet. These monthly accounts are submitted as part of the tax return submitted to the Tax Bureau.

36. All assets of company have been obtained from the open market on purely commercial basis. No assets were provided by the state or any third company free or on other than commercial principles. The Authority did not find any evidence of subsidy scheme either for loans or electricity supply of which the benefit is available to the company.

37. In view of the information provided by the Chinese producer on the issue of its claim of market economy treatment with regard to para 8(3) of Annexure-I of AD Rules and able to demonstrate that the cost/prices of the subject goods of the producer operates as per market forces, the Authority considers it appropriate to treat this individual exporter as if operating in a market economy. The company was able to show to satisfaction of the Authority that management and control regarding production, marketing and pricing were in the hands of the management of the company, which were significantly independent from state intervention. In the light of above examination it was considered to grant Market Economy treatment to the producer and determine normal value in line with para 1 to 6 of Annexure 1 to the Anti Dumping Rules.

F. ASSESSMENT OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE & DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

NORMAL VALUE:

38. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under subsection(6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

39. The Authority sent exporter questionnaire to M/s Nanhai, China PR Shagyuan Oulin Construction Co. Ltd., China PR (Producer) and M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE (Exporter), for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1) (c) of the Custom Tariff Act. In response to the questionnaire the new shipper submitted the information in exporter questionnaire. The company sells all the comparable types of similar sizes of the subject goods in the domestic market, which has been exported to India also. They have exported three sizes of the subject goods and the detailed information regarding the domestic sales in their home market has been provided. The normal value as per Section 9A (1) (c) is comparable price of domestic sales of subject goods in the ordinary course of trade for the like article, which is meant for consumption in the exporting country. They have also provided the costs of production of all three sizes of the subject goods that have been exported to India during the period of investigation. The transaction wise domestic sales were verified from their records during the course of on the spot verification. The element wise cost of production was also verified and reconciled from the books of account with the records of the company. An analysis of the profit and loss account of the company shows that the company has made an overall profit on the sale of subject goods during the period of investigation and calendar year. The Normal Value based on domestic sales has been determined after considering the volume of sales above per unit cost (applying 80/20 test) so as to determine that these sales are in the ordinary course of trade.

40. The company has exported three sizes of subject goods to India during the period of investigation. The size wise ex-factory normal value is assessed as ****, ****, and ****US\$ per Sq meters of the subject goods.

EXPORT PRICE:

41. In response to the questionnaire, the exporter has furnished invoice-wise/ size-wise details of exports made to India during the period of investigation in Appendix-2. The exporter has also furnished copies of invoices in support of the same. Adjustment as claimed by the exporter in Appendix-4 with regard to bank charges, storage, transportation have been considered after duly verified and allowed to arrive at the ex-factory export price to India. The exports to India by M/s. Nanhai, China PR are carried out through M/s. Prestige, UAE (exporter) who finally export the goods to India.

42. The exclusive sales arrangement with M/s. Nanhai (producer) through Prestige (exporter), with M/s. Nitco Tiles, Mumbai was examined and found that the exporter has exported to India significant volume of the subject goods. The Authority notes that the exclusive arrangement of sales between the producer through exporter with the importer is a stated fact which was verified from their records.

43. The ex-factory export price has been calculated after taking into account the verified data on adjustments. In this regard the invoices pertaining to M/s. Nanhai, China PR to M/s. Prestige, UAE and finally M/s. Prestige, UAE to Indian customers were verified and reconciled along with the adjustments claimed by them. During the course of investigation it is found that the goods were shipped from the Chinese port directly whereas the invoices were raised from M/s. Nanhai, China PR to M/s. Prestige, UAE and M/s. Prestige, UAE to Indian customers. The details regarding their adjustments were verified and reconciled from the records available with the company during the course of verification.

44. The size wise ex factory export price of subject goods comes to US \$****, ****, **** /Sq meters during the period of investigation.

DUMPING MARGIN:

45. Considering the normal value and export price as detailed above, dumping margin for different sizes of vitrified/porcelain tiles has been determined. It has been found that the exporter has exported the subject above its Normal Value and hence the weighted average dumping margin has been assessed as -5.72%.

G. Final Findings and Recommendations of the Authority

46. After considering the foregoing the Authority concludes that

2005 S172004-17

- i) Export price of Vitrified/porcelain Tiles exported to India produced by M/s. Nanhai Shagyuan Oulin Construction Co. Ltd., China PR (now known as Foshan Oulian Construction Ceramic Ltd.) and exported from M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE is above its normal value during the period of investigation.
- ii) The Authority, therefore, recommends that no anti dumping duty be imposed on imports of Vitrified/porcelain Tiles falling under Chapter 69 of the Custom Tariff Act, 1975 produced by M/s. Nanhai Shagyuan Oulin Construction Co. Ltd., China PR (now known as M/s Foshan Oulian Construction Ceramic Ltd.) and exported from M/s Prestige General Trading, Dubai, UAE.
- iii) An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Act.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority